RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 दीपिका ने उठाया बड़ा कदम...

वर्ष : 27 | अंक : 174 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 14 जून, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2 ।00 रु। | पेज: 8

राइजिंग लायन Vs टू प्रॉमिस 3

ईरान ने इजरायल पर दागी मिसाइलें

येरूशलम व तेल अवीव में बजा सायरन, बंकरों में घुसे लोग

100 से ज्यादा मिसाइलें दागी, रिशोन लीजियन, तेल अवीव में नुकसान

ट्रंप की ईरान को चेतावनी, परमाणु डील कर लो

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल के हमले के बाद ईरान ने कड़ा प्रहारा किया है। मिडिल ईस्ट इस समय बेहद उथल-पुथल भरे दौर से गुजर रहा है। इस अस्थिरता के बीच इजरायल और ईरान की जंग ने तनाव का स्तर बहुत बढ़ा दिया है। आलम ये है कि दोनों देश युद्ध के मुहाने तक पहुंच गए हैं। इरान ने इजरायल के शहर तेल अवीव मेरूशलम व वेस्ट बैंक में शनिवार को 100 से ज्याद मिसाइलें दागी। इरान के हमले से पहले इजरायल के इन शहरों में सायरन बजा और लोग बंकरों व सुरक्षित स्थानों में छुप गए। इस अस्थिरता के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को एक बार फिर आगाह किया है।

ट्रंप ने ईरान को चेताते हुए कहा कि अभी भी देर नहीं हुई है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

उत्तर प्रदेश में 30 जून तक बंद रहेंगे स्कूल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर भारत में भीषण गर्मी को देखते हुए उत्तर प्रदेश

बेसिक शिक्षा परिषद ने स्कूलों को 30 जून तक बंद रखने का ऐलान किया है उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। उन्होंने कहा है कि अत्यधिक गर्मी एवं हीट वेव को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज के सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि परिषद द्वारा संचालित विद्यालयों, मान्यता प्राप्त विद्यालयों में गर्मियों की छुट्टियों को बढ़ा दिया गया है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में विद्यालयों में 20 अप्रैल 2025 से 15 जून 2025 तक ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया था, लेकिन उत्तर प्रदेश में अत्यधिक गर्मी और हीट वेव के कारण ग्रीष्मकालीन अवकाश को 30 जून 2025 तक बढ़ा दिया गया है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

जैतपुर से लापता नाबालिग का शव नहर में मिला, परिजनों में मचा कोहराम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र से चार दिन पूर्व लापता हुए किशोर का शव जेवर थाना क्षेत्र में नहर से बरामद हुआ है। शव नहर पर बनी पुलिया के नीचे अटका हुआ था। किशोर के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने इस मामले में तीन नाबालिग लड़कों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

थाना जेवर पुलिस को शुक्रवार को ग्रामीणों ने सूचना दी कि दयानतपुर गांव के पास गंग नहर पर बने पुलिया के नीचे एक शव अटका हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पानी से बाहर निकलवाया और उसकी पहचान करने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। इसके बाद पुलिस ने आसपास के थाना क्षेत्र की पुलिस को 16 वर्षीय किशोर का शव मिलने की सूचना दी। इस दौरान पुलिस को **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

कोट गंग नहर से किशोर का शव बरामद

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी क्षेत्र के कोट पुल गंग नहर में दो दिन पूर्व नहाते समय डूबे एक किशोर का शव पुलिस ने आज बरामद कर लिया है। नहर में डूबे दूसरे किशोर की तलाश की जा रही है।

कोर्ट नहर में दो किशोर के डूबने के बाद पिछले दो दिन से चलाए जा रहे सर्च अभियान के तहत आज सुबह पुलिस और एनडीआरएफ को सफलता मिल गई। पुलिस ने नहर में डूबे एक किशोर के शव को बरामद कर लिया। मृतक किशोर की पहचान कमल पुत्र संजय 15 वर्ष के रूप में हुई। कमल, सौरभ अपने परिवार की महिलाओं के साथ बृहस्पतिवार को कोर्ट पुल गंग नहर में नहाने के लिए गए थे। नहाने के दौरान पानी के तेज बहाव की वजह से वह नहर में डूब गए थे। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी थी। बृहस्पतिवार से ही पुलिस एनडीआरएफ टीम की मदद से नहर में सर्च अभियान चल रही है। इस अभियान के तहत आज सुबह घटनास्थल के पास से ही कमल का शव बरामद हुआ। कमल का शव मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया। एनडीआरफ पुलिस और गोताखोर सौरव की तलाश में सर्च अभियान चला रहे हैं।

चर्चित निठारी गांव में दो युवकों ने की आत्महत्या

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के चर्चित निठारी गांव में शनिवार को दो युवकों द्वारा पंखे से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या करने से सनसनी फैल गई। एक युवक ने घरेलू कलह तथा दूसरे के अज्ञात कारणों की वजह से फांसी लगाने की बात सामने आ रही है।

थाना प्रभारी सेक्टर-20 ब्रह्मप्रकाश शुक्ल ने बताया कि आज सुबह पीआरवी को सूचना मिली कि निठारी गांव में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मौके पर पहुंची ने फंदे पर लटके राहुल शर्मा को नीचे उतारा राहुल की मौत हो चुकी थी। प्रारंभिक जांच पड़ताल में पता चला कि पारिवारिक कलह की वजह से राहुल ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। थाना प्रभारी ने बताया कि मौके पर पहुंची फील्ड यूनिट द्वारा भी घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि आत्महत्या करने की दूसरी घटना भी निठारी गांव में हुई है। यहां राजेश अवाना के मकान में किराए पर रहने वाले अजय पुत्र जंगली प्रसाद ने अपने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। किराएदारों ने अजय को फांसी के फंदे पर लटका देखकर पुलिस को सूचना दी थी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि अजय स्विग्गी में डिलीवरी बॉय का काम करता था और मूल रूप से जनपद बुलंदशहर क्षेत्र का रहने वाला था। प्रारंभिक जांच में जानकारी मिली कि अजय पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। आशंका जताई जा रही है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

अवैध निर्माण व अतिक्रमण को लेकर प्राधिकरण गंभीर

दौरा कर किया निरीक्षण, नोटिस चस्पा होने के बाद भी कार्रवाई नहीं

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-5 तथा 2 के बीच हरौला गांव के किनारे प्राधिकरण की जमीन पर अतिक्रमण व अवैध निर्माण के खिलाफ ध्वस्तीकरण अभियान चलाया जाएगा। इसको लेकर नोएडा प्राधिकरण के शीर्ष अफसर ने हाल ही में क्षेत्र का दौरा कर ऐसे अवैध अतिक्रमणों तथा अवैध निर्माणों का निरीक्षण किया।

इसी कड़ी में हरौला बारात घर के समीप खसरा संख्या-892 पर स्थित भूखंड पर अवैध निर्माण को लेकर भी प्राधिकरण के शीर्ष अफसरों ने निरीक्षण किया। यहां पर वर्क सर्किल-1 ने अवैध निर्माण हटाने को लेकर 5 मई को नोटिस भी चस्पा किया था जिसमें अवैध निर्माण न हटाने पर ध्वस्तीकरण करने की चेतावनी दी गई थी। यही नहीं अवैध निर्माण करने पर लेखपाल तथा जेई ने 2 मई को फेज-1 थाने में आरोपियों के खिलाफ एफआईआर की थी। **(शेष 3 पर)**

रोडरेज में दबंगों ने परिवार पर बोला हमला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रोडरेज की घटना में बिगड़ैल युवकों ने एक परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की मारपीट के दौरान आरोपी युवकों ने पीड़ितों की गाड़ी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के समय पीड़ित अपने परिवार सहित खोली धाम दर्शन करने जा रहे थे। इस संबंध में थाना सूरजपुर में चार नामजद व तीन अज्ञात हमलावर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

पक्षी विहार देवल निवासी भरत सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 12 जून की शाम को वह अपने दोस्त पवन कुमार फौजी वह उसके परिवार के साथ खोली धाम दर्शन करने के लिए जा रहे थे। रास्ते में उनकी गाड़ी में एक कार चालक ने पीछे से टक्कर मार दी। उन्होंने जब कार चालक को सही तरीके से कार चलने को कहा तो वह भड़क उठा और गाली गलौज करने लगा। कार चालक ने उन्हें देख लेने की धमकी दी और अपने दोस्तों को फोन कर मौके पर बुला लिया। इस दौरान वह किसी तरह वहां से अपनी गाड़ी लेकर निकल लिए।

भरत सिंह के मुताबिक आरोपी युवक व उसके साथियों ने अपनी कार से उनका पीछा करना शुरू कर दिया और पीछे से कई बार उनकी कार में टक्कर मारी। जैतपुर गोल चक्कर पर युवकों ने अपनी गाड़ी उनकी कार के **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

कमरे से मोबाइल चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। चोरों ने अलग-अलग स्थानों से तीन लोगों के मोबाइल फोन चोरी कर लिए। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के छालेरा बांगर में किराए पर रहने वाले मोहित कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 6 जून की सुबह ड्यूटी खत्म कर अपने कमरे पर पहुंचा और मोबाइल को चार्जिंग पर लगाकर सो गया। इस दौरान वह कमरे का दरवाजा बंद करना भूल गया। सुबह जब उसकी आंख खुली तो उसका मोबाइल फोन गायब था। उसने आसपास के लोगों से मोबाइल के बारे में पूछताछ की लेकिन कोई पता नहीं चला।

इसी थाना क्षेत्र के सदरपुर में रहने वाले पूरनलाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह 5 जून की शाम को खरीदारी करने के लिए बाजार गया था। इस दौरान अज्ञात व्यक्ति ने उसकी जेब से मोबाइल फोन चोरी कर लिया।

वहीं थाना सूरजपुर क्षेत्र के गुर्जर कॉलोनी से चोरों ने बबलू का मोबाइल फोन चोरी कर लिया। बबलू के मुताबिक 5 जून को वह अपने कमरे में सो रहा था और दरवाजा खुला हुआ था। मौका पाकर चोरों ने उसका मोबाइल फोन चोरी कर लिया। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और चोरों की तलाश की जा रही है।

नोएडा शहर में होगा सबसे अनोखा आयोजन, नजर आएगा ओडिशा

नोएडा (चेतना मंच)।

नोएडा शहर के इतिहास में यहां सबसे अनोखा आयोजन होने जा रहा है। नोएडा में होने वाले इस अनोखे आयोजन में पूरा ओडिशा प्रदेश नजर आएगा। नोएडा शहर में स्थापित नोएडा स्टेडियम के पास स्थित रामलीला मैदान में यह अनोखा आयोजन आयोजित किया जाएगा। नोएडा में पहली बार हो रहे इस आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। नोएडा शहर में होने वाले इस अनोखे आयोजन को ओडिशा प्रदेश के प्रसिद्ध त्यौहार राजा पर्व के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है।

आपको बता दें कि राजा पर्व ओडिशा के नागरिकों का महत्वपूर्ण त्यौहार है। पूरा उड़िया समाज राजा पर्व को धूमधाम के साथ मनाता है। राजा पर्व में उड़िया समाज प्रकृति की देवी धरती माँ, भगवान विष्णु तथा नारी शक्ति की पूजा करता है। ओड़िशा प्रदेश का हर नागरिक राजा पर्व में बढ़-चढ़कर भाग लेता है।

नोएडा तथा दिल्ली एनसीआर में रहने वाला उड़िया समाज इस वर्ष राजा पर्व का आयोजन नोएडा शहर में कर रहा है।

नोएडा शहर में राजा पर्व का भव्य पैमाने पर पहली बार आयोजन हो रहा है। नोएडा में होने वाले इस अनोखे आयोजन को करने का बीड़ा सामुदायिक विकास समिति एसवीएस ने उठाया है। एसवीएस के संस्थापक डॉ. मनोरंजन मोहंती हैं। वास्तव में डॉ. मनोरंजन मोहंती प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वें लम्बे अर्से से नोएडा शहर में सक्रिय हैं। नोएडा तथा दिल्ली- एनसीआर में रहने वाले उड़िया समाज के सभी प्रबुद्ध नागरिकों को साथ जोड़कर डॉ. मनोरंजन मोहंती ने राजा पर्व 2025 को नोएडा में आयोजित करने का बीड़ा उठाया है।

14 तथा 15 जून को नोएडा में आयोजित होगा अनोखा महोत्सव

आपको बता दें कि दिल्ली एनसीआर.... के प्रसिद्ध शहर नोएडा में राजा पर्व 2025 का आयोजन किया जाएगा। यह पहला मौका है जब पहली बार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में ओडिशा के सबसे बड़े और विशिष्ट फेस्टिवल 'राजा पर्व' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। 14 और 15 जून को नोएडा स्टेडियम के रामलीला ग्राउंड में यह दो दिवसीय महोत्सव आयोजित होगा, जिसकी तैयारियां इन दिनों पूरे जोर-शोर से जारी हैं। आयोजन का उद्देश्य न सिर्फ ओडिशा की सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देना है, बल्कि राजधानी में बसे ओडिया समुदाय और भारत के अन्य हिस्सों से आए लोगों को उनकी जड़ों से दोबारा जोड़ना भी है। इस ऐतिहासिक पहल की परिकल्पना सामुदायिक विकास समिति (एसवीएस....) के फाउंडर चेयरमैन, प्रख्यात चार्टर्ड अकाउंटेंट एवं समाजसेवी डॉ. मनोरंजन मोहंती ने की है। डॉ. मोहंती का कहना है कि, राजा पर्व केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि मातृभूमि, मातृभाषा और स्त्रीत्व के प्रति एक आदरांजलि है। यह पर्व धरती की उर्वरता और नारीशक्ति की गरिमा का उत्सव है। पारंपरिक रूप से यह फेस्टिवल ओडिशा में वर्षा ऋतु के आगमन पर मनाया जाता है, जब धरती खेती के लिए तैयार होती है और स्त्री के सम्मान का प्रतीक बन जाती है। नोएडा में यह पर्व पहली बार इतने बड़े स्तर पर आयोजित होने जा रहा है, जिसमें करीब 20,000 से अधिक ओडिया समुदाय के लोग और ओडिशा प्रेमी शामिल होने की उम्मीद है।

इस खास आयोजन में बच्चों के लिए उपलब्ध रहेंगे अनोखे तथा शानदार गेम्स

नोएडा में आयोजित होने वाले इस आयोजन को एक समग्र पारिवारिक उत्सव बनाने के लिए वहां बच्चों के लिए गेम्स, महिला सशक्तिकरण गतिविधियां, मेंहदी व ड्राइंग प्रतियोगिताएं और पारंपरिक फोक आर्ट वर्कशॉप्स भी आयोजित की जाएंगी। वहीं दूसरी ओर, हैंडलूम व हैंडीक्राफ्ट स्टॉल्स, फोटोग्राफी ज़ोन और ओडिया एथनिक परिधानों की प्रदर्शनी भी होगी जो दर्शकों को ओडिशा की रंग-बिरंगी संस्कृति से जोड़ेंगी। मीडिया से बातचीत में डॉ. मनोरंजन मोहंती और प्रमोद भल ने ह्यूस्क के 1.6 मिलियन ओडिया समुदाय और सभी ओडिशा प्रेमियों से अपील की कि वे इस सांस्कृतिक पुनर्जागरण का हिस्सा बनें और ओडिशा की आत्मा को दिल्ली-एनसीआर में जीवंत करें।प्रमोद भल ने यह स्पष्ट किया कि यह फेस्टिवल पूरी तरह निःशुल्क है और इसमें शामिल होने के लिए किसी प्रकार के पूर्व रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता नहीं है।

देबब्रत मिश्रा और धनेश्वर नायक ने कहा की राजा पर्व उत्सव 2025 सिर्फ एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक गहन भावनात्मक अनुभव है जो यह संदेश देता है कि चाहे हम कहीं भी रहें, अपनी मिट्टी की सुगंध और अपने सांस्कृतिक मूल्यों से कभी दूर नहीं हो सकते। नोएडा में होने वाला यह आयोजन भारत की सांस्कृतिक विविधता में एकता का अद्भुत उदाहरण है, जो हमें यह एहसास दिलाता है कि हमारी विरासत ही हमारी असली पहचान है। राजा पर्व उत्सव -2025 के आयोजन की परिकल्पना करने वाले प्रसिद्ध समाजसेवी डॉ. मनोरंजन मोहंती ने बताया कि इस खास महोत्सव में नोएडा के सभी प्रबुद्ध नागरिकों को आमंत्रित किया गया है।

नोएडा में होने वाले राजा पर्व में नजर आएगी ओडिशा की पूरी संस्कृति

नोएडा में आयोजित होने वाले दो दिवसीय इस महोत्सव में ओडिशा की कला, संगीत, नृत्य, भोजन और हस्तशिल्प का भव्य प्रदर्शन देखने को मिलेगा। पूरे कार्यक्रम को एक कल्चरल कार्निवल की तरह डिजाइन किया गया है जिसमें ओडिया कल्चर की आत्मा को आधुनिक प्रस्तुति के माध्यम से जीवंत किया जाएगा। ओडिशा और एनसीआर के ख्यातिप्राप्त आर्टिस्ट्स जैसे कि कॉमेडी किंग पपु पम पम, सिंगर अनिंदिता दास, देवेश पाटी, पपु पांडा, ज्योति और ओलिवुड के सुप्रसिद्ध अभिनेताङ्कनिर्देशक अश्रुमोचन मोहंती अपनी परफॉर्मेंस से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। इसके साथ ही पारंपरिक नृत्य शैलियों जैसे ओडिसी, संबलपुरी, मणिपुरी, गोटीपुआ, झूमर, ट्राइबल और मॉडर्न डांस की प्रस्तुतियां होंगी जो युवाओं को विशेष रूप से आकर्षित करेंगी। फेस्टिवल का मुख्य आकर्षण रहेगा ओडिशा का खास 'फूड फेस्टिवल', जिसमें राज्य की विविधता और पारंपरिक स्वादों का संगम देखने को मिलेगा। इस फूड फेस्ट में शामिल होंगे कटक का प्रसिद्ध दही बड़ा आलू दम, बारीपदा का मुची, सालिपुर का रसगुल्ला, टंका तोरानी, कोरापुट का पारंपरिक नमकीन और स्वादिष्ट पिठा जैसे अरिसा, माण्डा, काकरा, पोड़ा पीठा व छेना पोड़ा। साथ ही, जाजपुर का स्पेशल पान भी मेहमानों को मिलेगा जो ओडिशा की मिठास का प्रतीक है।

गुजरात हादसा : एक बड़ी चूक

गुजरात स्थित अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास एयर इंडिया के विमान की भयावह दुर्घटना ने पूरे देश को दुख और गम में डुबो दिया। हाल के वर्षों में हुई यह बड़ी दुखद दुर्घटना हवाई यात्रा से जुड़े जोखिमों पर नये सिरे से गंभीर मंथन की जरूरत को बताती है। निश्चित रूप से यह हादसा नागरिक उड्डयन के लिये भी एक बड़ा झटका है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में शामिल है। आज भारत दुनिया के अग्रणी विमानन बाजारों में शुमार है। विडंबना यह है कि अभी दो महीने पहले ही नई दिल्ली में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो यानी एएआईबी में अत्याधुनिक डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया था। करीब नौ करोड़ रुपये की लागत से बनी इस प्रयोगशाला को केंद्र सरकार ने विमानन सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया था। जिसका मकसद हवाई दुर्घटनाओं की पहचान करना और जवाबदेही सुनिश्चित करना था। ताकि सुरक्षा उपायों को लेकर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिये तंत्र में सुधार किया जा सके। अब विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो को गुरुवार को बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के दुर्घटनाग्रस्त होने की जांच का काम सौंपा गया है। एएआईबी के पास अब यह पता लगाने की जिम्मेदारी होगी कि गुरुवार को हुई दुर्घटना के असल कारण क्या थे। बल्कि निकट भविष्य में हवाई यात्राओं को सुरक्षित बनाने के लिए भी सुझाव दिए जा सकेंगे। इसके अंतर्गत ब्यूरो बोइंग के सुरक्षा रिकॉर्ड और परिचालन निरीक्षण की भी गहराई से जांच करेगा। निश्चित रूप से परिचालन प्रक्रिया कड़ी जांच के दायरे में होगी। उल्लेखनीय है कि तकनीकी खामियों के चलते बोइंग के कई अन्य 787 ड्रीमलाइनरों की सुरक्षा प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाये जाते रहे हैं। हाल के वर्षों में कई व्हिसल ब्लोअर्स ने 787 ड्रीमलाइनर के सुरक्षा उपायों को लेकर गंभीर चिंताए जताई थीं। जिसके बाद यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन यानी एफएए ने ड्रीमलाइनर विमान के उत्पादन और असेंबली प्रक्रियाओं की गहन जांच की थी। उल्लेखनीय है कि बोइंग की सुविधाओं के एफएए द्वारा ऑडिट करने पर निर्माण की प्रक्रिया में अनियमितताओं और कंपनी की सुरक्षा संस्कृति में खामियों का पता चला था। बल्कि व्हिसल ब्लोअर्स ने तो यहां तक भी आरोप लगाए थे कि बोइंग की कार्यप्रणाली में खामियों को उजागर करने के लिए उन्हें बदले की कार्रवाई का सामना भी करना पड़ा था। उल्लेखनीय है कि रिपब्लिक एयरवेज के सीईओ ब्रायन बेडफोर्ड, जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा एफएए का प्रमुख नियुक्त किया गया है, ने बुधवार को कहा था कि वर्ष 2018 और 2019 में दो बोइंग 737 मैक्स दुर्घटनाओं से जुड़ी एक प्रमुख सुरक्षा प्रणाली की विफलता के बारे में कुछ वास्तविक व गंभीर सबक सीखे गए हैं, जिसमें 346 लोगों की मृत्यु हो गई थी। निश्चित रूप से अहमदाबाद विमान हादसे के बाद भारतीय अधिकारियों को अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ गंभीर विमर्श करना चाहिए। उससे मिले इनपुट गुजरात दुर्घटना की गहन जांच करने में सहायक साबित हो सकते हैं। बहरहाल, अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 के हादसे ने सैकड़ों परिवारों को गहरे जख्म दे दिए हैं। हादसे में दो सौ से अधिक लोगों के मरने की पुष्टि हो चुकी है, वहीं एक व्यक्ति के जीवित बचने को कुदरत का करिश्मा माना जा रहा है। दूसरी ओर रिहाइशी इलाके में विमान के गिरने से हुई क्षति भी दुखद है। पुलिस द्वारा चालीस लोगों के अस्पताल में उपचाराधीन होने की बात भी कही जा रही है। कहना कठिन है कि यह कैसी स्थिति है कि एक मेडिकल कालेज के पास हुई इस दुर्घटना में घायलों को तुरंत उपचार देना संभव हो पाया है। उल्लेखनीय है कि विमान मेडिकल कालेज के छात्रों के मैस पर गिरा। उस समय छात्र लंच कर रहे थे। जिसमें कई छात्र भी घायल हुए हैं। जिनमें कई की हालत गंभीर है। निश्चय ही यह विमान हादसा हवाई यात्राओं से जुड़ी चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की जरूरत को बताता है। हवाई हादसे के कारणों की हकीकत जांच के बाद सामने आएगी लेकिन यदि हवाई यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक हुई है, तो उसकी जवाबदेही तय करने की जरूरत है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि ऐसा कहकर सब ब्राह्मण चले गए। नगरवासियों ने (जब) यह समाचार पाया, तो वे चिन्ता करने और विधाता को दोष देने लगे, जिसने हंस बनाते-बनाते कौआ कर दिया (ऐसे पुण्यात्मा राजा को देवता बनाना चाहिए था, सो राक्षस बना दिया)॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

उपरोहितहि भवन पहुँचाई। असुर तापसहि खबरि जनाई॥
तेहिं खल जहँ तहँ पत्र पठाए। सजि सजि सेन भूप सब धाए॥

पुरोहित को उसके घर पहुँचाकर असुर (कालकेतु) ने (कपटी) तपस्वी को खबर दी। उस दुष्ट ने जहाँ-तहाँ पत्र भेजे, जिससे सब (बैरी) राजा सेना सजा-सजाकर (चढ़) दौड़े॥

घेरेन्हि नगर निसान बजाई। बिबिध भाँति नित होइ लराई॥
जूझे सकल सुभट करि करनी। बंधु समेत परेउ नृप धरनी॥

और उन्होंने डंका बजाकर नगर को घेर लिया। नित्य प्रति अनेक प्रकार से लड़ाई होने लगी। (प्रताप भानु के) सब योद्धा (शूरवीरों की) करनी करके रण में जूझ मरे। राजा भी भाई सहित खेत रहा॥

सत्यकेतु कुल कोउ नहिं बाँचा। बिप्रश्राप किमि होइ असाँचा॥
रिपु जिति सब नृप नगर बसाई। निज पुर गवने जय जसु पाई॥

सत्यकेतु के कुल में कोई नहीं बचा। ब्राह्मणों का शाप झूठा कैसे हो सकता था। शत्रु को जीतकर नगर को (फिर से) बसाकर सब राजा विजय और यश पाकर अपने-अपने नगर को चले गए॥

(क्रमशः...)

केंद्र सरकार के उपक्रम बन रहे कमाऊ पूत

भारत से एक दशक से अधिक समय पूर्व तक केंद्र सरकार के उपक्रमों को चलायमान बनाए रखने के लिए केंद्रीय बजट में भारी भरकम राशि का प्रावधान करना पड़ता था तथा इन उपक्रमों को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी। परंतु, आज स्थिति एकदम बदल गई है एवं अब केंद्र सरकार के उपक्रम केंद्र सरकार को लाभांश के रूप में भारी भरकम राशि प्रदान कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है।

केंद्र सरकार के उपक्रमों में यह आमूलचूल परिवर्तन केंद्र में ईमानदार सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा निगमित अभिशासन से सम्बंधित नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराए जाने के चलते ही सम्भव हो सका है। पूर्व में इन उपक्रमों में पनप रहे भ्रष्टाचार के चलते इन उपक्रमों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ता था परंतु अब उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार पर लगभग पूर्णतः अंकुश लगाया जा चुका है। साथ ही, केंद्र सरकार के इन उपक्रमों को नेतृत्व प्रदान कर रहे अधिकारियों पर भी बहुत कुछ निर्भर करता रहा है। केंद्र सरकार के इन उपक्रमों में आज का नेतृत्व कुशल, ईमानदार एवं देश प्रथम की नीति पर चलने के साथ ही देश के प्रति सम्मान का भाव रखने वाला है।

वित्तीय वर्ष 2024 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। प्रथम स्थान पर भारतीय स्टेट बैंक है, जिसने 67,085 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। इसके बाद ओएनजीसी ने 49,221 करोड़ रुपए, आईओसी ने 41,730 करोड़ रुपए, भारतीय जीवन बीमा निगम ने 40,916 करोड़ रुपए, भारतीय कोयला निगम ने 37,402 करोड़ रुपए, बीपीसीएल ने 26,859 करोड़ रुपए, एनटीपीसी ने 20,812 करोड़ रुपए, बैंक आफ बड़ोदा ने 18,767 करोड़ रुपए, हिन्दुस्तान पेट्रोलीयम ने 16,015 करोड़ रुपए एवं पावर फाइनैन्स करपोरेशन ने 15,889 करोड़ रुपए की राशि का लाभ अर्जित किया है। इसके अतिरिक्त, पावर ग्रिड, कनारा बैंक, आरईसी लिमिटेड एवं यूनियन बैंक, ने 10,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। साथ ही, गैस अथॉरिटी इंडिया लिमिटेड, पंजाब नेशनल बैंक, इंडीयन बैंक, जैसे केंद्र सरकार के 42 अन्य उपक्रमों ने भी भारी भरकम राशि का लाभ अर्जित किया है।

केंद्र सरकार के उपक्रमों के साथ ही भारतीय

रिजर्व बैंक, जो भारत में एक स्वायत्त संस्था के रूप में कार्य करता है एवं इस पर केंद्र सरकार का नियंत्रण लगभग नहीं के बराबर रहता है, ने भी पूरे विश्व के कई बड़े केंद्रीय बैंकों के बीच सबसे अधिक राशि का लाभ अर्जित किया है। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व को वर्ष 2024 में 7,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा है, इसी प्रकार ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक, बैंक आफ इंग्लैंड को 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है तथा यूरोपीयन यूनियन के केंद्रीय बैंक, ईसीबी को 900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है। वहीं, इन केंद्रीय बैंकों की तुलना में भारतीय रिजर्व बैंक को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 3,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का लाभ हुआ है। जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को इस वर्ष 2.70 लाख करोड़ रुपए की राशि का लाभांश अदा करने की घोषणा की है। विभिन्न केंद्र सरकार के उपक्रमों ने भी इस वर्ष केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश अदा किया है। भारतीय रिजर्व बैंक एवं केंद्र सरकार के उपक्रमों से प्राप्त होने वाली कुल लाभांश की राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट में किए गए प्रावधान की राशि से कहीं अधिक है।

इसी प्रकार, केंद्र सरकार को प्रत्येक माह प्राप्त होने वाली वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की राशि भी अब मासिक औसत के रूप से 2 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। अप्रेल 2025 माह में तो केंद्र सरकार को रिकार्ड 2.36 लाख करोड़ रुपए की राशि का राजस्व वस्तु एवं सेवा कर की मद से प्राप्त हुआ था। इसी प्रकार, मई 2025 में 2.01 लाख करोड़ रुपए की राशि का राजस्व जीएसटी मद से प्राप्त हुआ है।

देश में प्रत्यक्ष कर (आय कर एवं कारपोरेट कर सहित) के रूप में प्राप्त राशि अप्रत्यक्ष कर के रूप में प्राप्त राशि से कहीं अधिक रही है। देश के आम नागरिकों के हित में यह बहुत अच्छा कार्य हुआ है क्योंकि प्रत्यक्ष कर उन नागरिकों से प्राप्त किया जाता है जो इस कर को अदा कर सकने की क्षमता एवं योग्यता रखते हैं अर्थात उनकी आय कर देने योग्य आय के स्तर से ऊपर रहती है जबकि अप्रत्यक्ष कर समाज के प्रत्येक वर्ग पर सामान्य रूप से एक जैसा लगाया जाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 22.26 लाख करोड़ रुपए की राशि प्रत्यक्ष कर के रूप में केंद्र सरकार को प्राप्त हुई थी जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राप्त 19.60 लाख करोड़ रुपए की राशि से 13.57 प्रतिशत अधिक है। वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अप्रत्यक्ष कर (जिसमें वस्तु एवं सेवा कर, केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क शामिल हैं) के रूप में प्राप्त राशि का लक्ष्य 16.33 लाख करोड़ रुपए का निर्धारित किया गया था। अप्रत्यक्ष कर की मद की तुलना में प्रत्यक्ष कर की मद से अधिक कर राशि का संग्रहण होना यह भी दर्शाता है कि भारत में नागरिकों की कर देने योग्य आय में वृद्धि दर अधिक है एवं आय कर अदा करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय सुधार हो रहा है। अर्थात, देश में उच्च आय अर्जित करने वाले नागरिकों एवं मध्यमवर्गीय नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है तथा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिक अब तेज गति से मध्यमवर्गीय नागरिकों की श्रेणी में परिवर्तित हो रहे हैं।

यदि भारत के नागरिक लगातार इसी प्रकार की आर्थिक तरक्की करते रहे तो केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों के लिए देश में पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करने एवं समाज के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलाये रखने में किसी भी प्रकार की समस्या खड़ी नहीं होगी। किसी भी देश के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलायमान बनाए रखने के लिए वित्त की अनुपलब्धता ही मुख्य समस्या के रूप में सामने आती है। परंतु, देश के नागरिक जो गरीबी रेखा से ऊपर उठकर मध्यमवर्गीय अथवा उच्चवर्गीय परिवारों की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं, वे यदि केंद्र एवं राज्य सरकारों की वित्त व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तो भारत के लिए आर्थिक विकास की दर को दहाई के आंकड़े तक ले जाने में कोई बहुत अधिक समय नहीं लगने वाला है। केंद्र सरकार, विभिन्न राज्य सरकारों एवं निजी क्षेत्र द्वारा देश में गरीब वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलाने के साथ ही यदि पूंजीगत खर्चों में भी वृद्धि की जाती है तो देश के नागरिकों के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित होते हैं एवं इससे देश के नागरिक देश की आर्थिक तरक्की में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर पाते हैं। भारत में भी इसी प्रकार की व्यवस्था खड़ी होती हुई दिखाई दे रही है, जिसका डंका पूरे विश्व में बज रहा है।

- प्रहलाद सबनानी
सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक

मन्दिरों में पैसे लेकर एवं वीआईपी दर्शन बन्द हो

अंठाकुर बांके बिहारी मंदिर में पैसे लेकर दर्शन कराने वाले बाउंसरों की गिरफ्तारी के बाद श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में सुगम दर्शन के नाम पर एक साथ इक्कीस लोगों की गिरफ्तारी जहां मंदिर प्रशासन की व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है, वही ईश्वर के दरबार में पांव फैला रहा भ्रष्टाचार गहन चिन्ताजनक एवं शर्मनाक हैं। कुछ ही दिनों पहले ओंकारेश्वर स्थित ममलेश्वर मंदिर में भक्तों से वीआइपी दर्शन के नाम पर अवैध वसूली करने पर प्रशासन ने एक होमगार्ड जवान और दो पंडितों पर कार्रवाई की है। देश-विदेश के भक्त अगाध श्रद्धा से अपने आराध्य का दर्शन करने आते हैं, लेकिन देश के प्रमुख मन्दिरों में सीधे दर्शन कराने के नाम पर पैसों की लूट मची है या वीआईपी संस्कृति के नाम पर त्रासद एवं भेदभावपूर्ण स्थितियां पसरी है। सवाल यह पूछा जा रहा है कि हिंदुओं के धार्मिक स्थलों और आयोजनों में क्यों भक्तों के बीच भेदभाव होता है? मन्दिरों में गरीब एवं अमीर के बीच भेदभाव की स्थितियां खुला भ्रष्टाचार ही है। पैसे लेकर एवं वीआईपी दर्शन की अवधारणा भक्ति एवं आस्था के खिलाफ है। यह एक असमानता का उदाहरण है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी आघात करती है। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में तो त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था भी है। मंदिर का चप्पा-चप्पा सीसीटीवी कैमरे की पहुंच में है। यह मन्दिर सुरक्षा कारणों से अतिसंवेदनशील स्थल होने के बावजूद ऐसा कृत्य खेदजनक ही नहीं, आपत्तिजनक भी है। मंदिर प्रबंधन को चाहिए कि दर्शन की प्रचलित व्यवस्था को और सुगम, भ्रष्टाचार व दोषरहित बनाए ताकि व्यवस्था में कोई सेंध न लगे और जन-आस्था आहत न हो।

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में तो सुगम दर्शन का शुल्क भी जमा कराया जाता है पर ठगों की जमात ने शीघ्र दर्शन के नाम पर कमाई का नया रास्ता तलाश लिया। मंदिर प्रबंधन को चाहिए कि वह सुगम दर्शन व्यवस्था के नाम पर हो रही धांधली को गंभीरता से ले। फर्जी पंडा, गाइड बनकर लोगों को झांसे में लेने वाले लोग अचानक एक दिन में डेरा नहीं जमाए होंगे। यह सब काफी समय से चल रहा होगा। इस प्रकार की ठगी करने की संभावना कैसे बन जाती है, इसकी जांच होनी चाहिए। बात केवल ठाकुर बांके बिहारी मंदिर या श्रीकाशी विश्वनाथ धाम की ही नहीं है, बल्कि देश के प्रमुख मन्दिरों में बढ़ती जन-आस्था की भीड़ एवं लम्बी-लम्बी लाइनों के बीच पैसे लेकर या वीआईपी दर्शन कराने की त्रासद एवं विसंगतिपूर्ण स्थितियों की हैं, जिसने न केवल देश के आम आदमी के मन को आहत किया है, बल्कि भारत के समानता के सिद्धान्त की भी धज्जियां उड़ा दी है। कुछ विशेष लोगों को मिलने वाले वीआईपी सम्मान एवं सुविधा पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है।

इसे भी पढ़ें- भगवान जगन्नाथ के स्नान अनुष्ठान की हुई शुरुआत, देखने के लिए श्रद्धालु में जुटे लाखों लोग

बांके बिहारी मंदिर में एक बार फिर वीआईपी कल्चर का खेल सामने आया है। मंदिर की भीड़ से हटकर वीआईपी दर्शन कराने के नाम पर एक निजी सुरक्षा एजेंसी ने बाउंसर उपलब्ध कराकर पैसे कमाने का गोरखधंधा शुरू कर दिया था। एजेंसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक और इंस्टाग्राम पर प्रचार कर यह दावा किया कि वे श्रद्धालुओं को भीड़ से बचाकर विशेष वीआईपी दर्शन कराने में मदद कर सकते हैं। यह तो घोषित गैरकानूनी व्यवस्था है, लेकिन अन्य प्रमुख मन्दिरों में भी मन्दिर से जुड़े लोग या अन्य ठग पैसे लेकर दर्शन कराते हैं। सबसे ज्यादा दुखद एवं विडम्बनापूर्ण है वीआईपी दर्शन का प्रचलन। प्रश्न है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले ही कार्यकाल के दौरान वीआईपी कल्चर को खत्म करते हुए लालबत्ती एवं ऐसी अनेक वीआईपी सुविधाओं को समाप्त कर दिया था तो मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों की वीआईवी संस्कृति को क्यों नहीं समाप्त किया? क्यों मन्दिरों में वीआईपी दर्शन के लिये सरकार ने अलग से व्यवस्थाएं की। दरअसल, वीआईपी संस्कृति का दायरा बहुत व्यापक है। यह धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है।

वीआईपी कल्चर एवं पैसे लेकर दर्शन कराने की धांधली ने एक बार फिर से नये सिरे से बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहा है कि जब गुरुद्वारे में वीआईपी दर्शन नहीं, मस्जिद में वीआईपी नमाज नहीं, चर्च में वीआईपी प्रार्थना नहीं होती है तो सिर्फ हिन्दू मंदिरों में कुछ प्रमुख लोगों के लिए वीआईपी या पैसे लेकर दर्शन क्यों है? क्या इस पद्धति को खत्म नहीं किया जाना चाहिए, जो हिंदुओं में दूरिया पैदा करता है? प्रसिद्ध मन्दिरों में वीआईपी पास एवं दर्शन की व्यवस्था समाप्त क्यों नहीं होती? यह व्यवस्था समाप्त होना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ही धार्मिक स्थलों पर होने वाली वीआईपी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किये हैं। निश्चित ही जब किसी को वरीयता दी जाती है और प्राथमिकता दी जाती है तो उसे वीवीआईपी या वीआईपी कहते हैं। यह समानता की अवधारणा को कमतर आंकना है। वीआईपी संस्कृति एक पथभ्रष्टता है, यह एक अतिक्रमण है, यह मानवाधिकारों का हनन है। समानता के नजरिए से देखा जाए तो समाज में इसका कोई स्थान नहीं होना चाहिए, धार्मिक स्थलों एवं मन्दिरों में तो बिल्कुल भी नहीं।

न्यायालय भी देश में बढ़ती वीआईपी संस्कृति को लेकर चिन्तीत है। मद्रास उच्च न्यायालय की मुदुरै पीठ ने अपनी एक सुनवाई के दौरान कहा भी है कि लोग वीआईपी संस्कृति से 'हताश' हो गए हैं, खासतौर पर मंदिरों में। इसके साथ ही अदालत ने तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिरों में विशेष दर्शन के संबंध में कई दिशा निर्देश जारी किए। राजस्थान में गहलोत सरकार ने भी मन्दिरों में वीआईपी दर्शनों की परम्परा को समाप्त करने की घोषणा की थी कि मन्दिरों में बुजुर्ग ही एकमात्र वीआईपी होंगे। इस तरह की सरकारी घोषणाएं भी समस्या का कारगर उपाय न होकर कोरा दिखावा होती रही है। अक्सर नेताओं एवं धनाढ्यों को विशेष दर्शन कराने के लिए मंदिर परिसरों को आम लोगों के लिये बंद कर दिया जाता है, जिससे श्रद्धालुओं को भारी परेशानी होती है, लोग वास्तव में इससे दुखी होते हैं और कोसते हैं। वीआईपी लोगों को तरह-तरह की सुविधाएं दी जाती है, मन्दिर के मूल परिसर-गर्भ परिसर में दर्शन कराये जाते हैं, उनके वाहन मन्दिर के दरवाजे तक जाते हैं, उनके साथ पुलिस-व्यवस्था रहती है, जबकि आम श्रद्धालुओं को कई किलोमीटर पैदल चलना होता है, भगवान के दर्शन दूर से कराये जाते हैं, उनके साथ धक्का-मुक्की की जाती है। लगता है मन्दिरों में दर्शन में सहभागिता को लेकर आम आदमी गुलामी की मानसिकता को ही जी रहा है। इन स्थानों पर उसके स्वाभिमान, सम्मान एवं समानता को बेरहमी से कुचला जा रहा है। ये कैसा मंदिर और ये कैसा दर्शन जहाँ सरेआम आम दर्शनार्थी का अपमान हो रहा है। इसलिए जिस भी मंदिर में वीआईपी दर्शन की सुविधा दी जा रही है उसके खिलाफ जनक्रांति हो। आज हिन्दू मन्दिरों की भेदभाव पूर्ण दर्शन-व्यवस्था को समाप्त करके ही आम आदमी को उसका उचित सम्मान किया जा सकता है, उसकी निराशा एवं पीड़ा को समझा जा सकता है। भाजपा सरकार मन्दिरों एवं धार्मिक-स्थलों से वीआईपी संस्कृति को समाप्त करने के लिये कोई ठोस कदम उठाये।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

राशिफल

ज्येष्ठ माह कृष्ण पक्ष तृतीया | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
थोड़ी सी, बिल्कुल क्लियर नहीं रहेगी, अवसादित रहेगी। या आप कह सकते हैं थोड़ी सी असमंजस की स्थिति बनी रहेगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी में नुकसान हो सकता है या नहीं हो सकता है। स्वास्थ्य ठीक है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
व्यापारिक स्थिति मध्यम रहेगी। नाक, कान, गला की बड़ी परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम, संतान अच्छा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। धन हानि के संकेत हैं। स्वास्थ मध्यम, प्रेम, संतान अच्छा, व्यापार भी अच्छा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
ऊर्जा का स्तर घटता बढ़ता रहेगा। मानसिक स्थिति थोड़ी सी गड़बड़ रहेगी। घबराहट, बेचैनी बनी रहेगी।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
सिर दर्द, नेत्र पीड़ा, कर्ज की स्थिति। खर्च की अधिकता। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मन थोड़ा सा ससंकित रहेगा। डर बना रहेगा। प्रेम, संतान भी मध्यम है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
कोर्ट कचहरी से बचें। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
अपमानित होने का भय रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है। व्यापार भी अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
स्वयं के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। गुदा से संबंधित कुछ बड़ी परेशानी हो सकती है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। शत्रु पर दबदबा कायम रहेगा। गुण, ज्ञान की प्राप्ति होगी।

भाजपा नेता ने करवाई गरीब लड़की की शादी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गरीबों की हमेशा मदद करने वाले भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मनोज प्रधान (जलपुरा) ने कल एक गरीब लड़की का कन्यादान किया और हिंदू रीति रिवाज से उसकी धूमधाम के साथ शादी करवाई। उनके इस कार्य की पूरे क्षेत्र में जोरो से चर्चा है।

सर्वविदित हो कि भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मनोज प्रधान हमेशा गरीबों एवं असहाय लोगों की मदद करने के लिए आगे आते रहते हैं। कल इसी कड़ी में एक गरीब लड़की का उन्होंने कन्यादान किया और आर्थिक रूप से मदद कर उसकी शादी को संपन्न करवाया।

बीएचईएल कंपनी पर महापंचायत की घोषणा

नोएडा (चेतना मंच)। मैसर्स- भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड बीएचईएल कंपनी पर सीटू ने 1 जुलाई को महापंचायत का ऐलान किया है।

बैठक व धरना-प्रदर्शन को सीटू दिल्ली एनसीआर राज्य कमेटी के महासचिव कामरेड पीवी अनियन, सीटू जिला महासचिव रामसागर, जिला अध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, सचिव मुकेश कुमार राघव, श्रमिक प्रतिनिधि सुरेंद्र, रणजीत सिंह, मनमोहन सागर आदि ने संबोधित किया।

हृदय विदारक है गुजरात विमान हादसा : प्रणीत भाटी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान

हादसे में जान गंवाने वालों को भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र के संयोजक प्रणीत भाटी ने श्रद्धांजलि देते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

उन्होंने कहा कि अहमदाबाद में हुए विमान हादसे को हम कभी भुला नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से दर्दनाक घटना घटित हुई है उससे पूरा देश स्तब्ध है। उन्होंने कहा कि ईश्वर के आगे सब नतमस्तक हैं। उन्होंने मृतक आत्माओं को शांति प्रदान करने एवं उनके परिजनों को ढांढस बंधाया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से 10 सेकंड में सैकड़ो लोगों की जान चली गई वह काफी हृदय विदारक है। ऐसी घटना कभी भी भूली नहीं जा सकती है। उन्होंने कहा कि आज पूरा हिंदुस्तान एवं भारत के लोग गमजदा हैं।

सर्व धर्म प्रार्थना सभा आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अहमदाबाद (गुजरात) में हुए एयरप्लेन हादसे में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए सिटी पार्क ग्रेटर नोएडा में सर्वधर्म सभा द्वारा मौन धारण कर मृतक आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

इस अवसर पर कथा वाचक आचार्य मनीष कौशिक, गोस्वामी सुशील, फादर एंड्रयू कोरिया, पैरिश प्रीस्ट, सैंट जोसफ चर्च, गुरुबचन सिंह, मोहम्मद नदीम, आनंद, मुकुल गोयल, हरेन्दर भाटी आदि लोग मौजूद रहे।

सुंदर सिंह भाटी बने राष्ट्रीय सचिव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (भानु) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह ने सुंदर सिंह भाटी को संगठन का राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया है उनके राष्ट्रीय सचिव बनने पर संगठन के कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है।

पंकज सिंह ने प्रमुख सचिव से कराई किसान संगठनों की वार्ता

वार्ता के बाद संतुष्ट दिखे किसान, पंकज सिंह का आभार जताया

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के विधायक पंकज सिंह की पहल पर प्रदेश के प्रमुख सचिव आलोक कुमार के साथ नोएडा के किसान संगठनों की वार्ता हुई।

भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान तथा महेश अवाना के नेतृत्व में प्रमुख सचिव के साथ वार्ता के बाद किसान नेता संतुष्ट नजर आए। इस मौके पर प्रमुख सचिव के समक्ष किसानों ने आबादी विनियमावली संशोधन को लागू करने, संख्यात्मक द्वारा संकलित करने, किसान कोटे के तहत 2950 किसानों को प्लाट देने, 5 फीसदी प्लाट देने, 64.7 फीसदी बढ़ा हुआ अतिरिक्त प्रतिकर देने तथा 10 फीसदी अतिरिक्त प्लाट देने आदि के मुददे रखे गए।

इस मौके पर भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, वरिष्ठ नेता महेश अवाना के अलावा भारतीय किसान यूनियन मंच के अध्यक्ष सुधीर चौहान तथा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। किसान संगठनों ने इस पहल पर विधायक पंकज सिंह का आभार जताया।

प्रमुख सचिव के समक्ष कई मांगें रखी सुखबीर खलीफा ने

लखनऊ। किसान संघर्ष मोर्चा के एक प्रतिनिधिमंडल ने लखनऊ स्थित

लोक भवन में प्रमुख सचिव (औद्योगिक) आलोक कुमार से मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल ने 10 प्रतिशत आबादी प्लॉट, नए कानून के क्रियान्वयन तथा हाई पावर कमेटी की सिफारिशों को लागू करने के संबंध में ज्ञापन सौंपा। किसानों ने इस बात पर रोष व्यक्त किया कि कमेटी की सिफारिशों को आए 8 महीने और कमेटी को बने 6 महीने से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक एक भी बिंदु पर अमल नहीं हुआ है।

किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने प्रमुख सचिव औद्योगिक को बताया कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना क्षेत्र में आबादी के मामलों की दो वर्षों से केवल सुनवाई चल रही है। एक भी मामला अब तक बोर्ड बैठक से पारित नहीं किया गया। नोएडा प्राधिकरण में 3900 से अधिक आबादी प्रकरणों का कोई निस्तारण नहीं हुआ।

उन्होंने बताया कि नोएडा प्राधिकरण में आबादी हेतु लीजबैक की पात्रता प्रति परिवार 450 वर्गमीटर से 1000 वर्गमीटर तक की जानी थी, लेकिन सिफारिशों के बावजूद इसे लागू नहीं किया गया। इसके अलावा भूमिहीनों के लिए 40 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान अभी तक अमल में नहीं लाया गया।

प्रमुख सचिव (औद्योगिक) आलोक कुमार ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि हाई पावर कमेटी की सिफारिशों पर विचार विमर्श कर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा।

इस मौके पर डॉ. रूपेश वर्मा (जिलाध्यक्ष, अखिल भारतीय किसान सभा), उदल आर्य, जगबीर नंबरदार, सचिन अवाना, अजब सिंह भाटी, निशांत रावल, अजीत एडवोकेट, वनीष प्रधान, राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा (किसान एकता संघ)।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-प्रापण निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।
क्रम सं.-1, ई-प्रापण निविदा संख्याः उपमु0इ0-नि0-मुख्या0-05-2025, दिनांक 12.06.2025, कार्य का नामः आरडीएसओ ड्राइंग संख्या टी-671/टी/2572 के अनुसार 52 किग्रा/ 60 किग्रा रेल के लिए जी-3(एल) प्रकार के इन सीटू ग्लूड इंसुलेटेड जोड उपलब्ध कराना तथा गोरखपुर कैंट-वाल्मीकिनगर दोहरीकरण परियोजना के लिए ग्लूड इंसुलेटेड रेल जोड़ों के लिए मैनुअल में दिए गए निर्देशों के अनुसार विनिर्देश की पुष्टि करना। अनुमानित निविदा मूल्यः ₹ 5,59,35,533.50 बयाना राशि (रू.): ₹ 4,29,700.00, निविदा प्रपत्र का मुल्य (रू) : 0.00, कार्य पूर्ण करने की अवधिः 24 (चौबीस माह)। बिडिंग प्रारम्भ करने की तिथिः-23.06.2025, उपरोक्त ई-निविदा जमा करने की अन्तिम तिथिः- दिनांक 07.07.2025, 15.00 बजे तक। उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथिः- दिनांक 07.07.2025, 15.00 बजे। निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट https://ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।
श्री रवि प्रकाश, सहायक कार्यपालक इंजीनियर/निर्माण/मुख्या0/गो0 मो0 नं0-9794844281
उप मुख्य इंजीनियर/नि0/मुख्या0 मुजाधि/डब्लू-112 गोरखपुर
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पृष्ठ एक के शेष....

ईरान ने इजरायल पर ....

ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम के लिए बातचीत की टेबल पर लौटना होगा। उन्होंने ईरान पर हुए इन हमलों को बेहद सटीक और सफल बताया।

ट्रंप ने ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर इजरायल के हमलों को लेकर कहा कि हमें इसके बारे में पहले से जानकारी थी। मैंने ईरान को शर्म और मौत से बचाने की कोशिश की। मैंने उन्हें भरसक बचाने की कोशिश की. मैंने कोशिश की क्योंकि मुझे ईरान के साथ यह डील करनी है।

ट्रंप ने कहा कि दो महीने पहले मैंने ईरान को डील करने के लिए 60 दिनों का अल्टीमेटम दिया था. उन्हें यह डील कर लेनी चाहिए थी। आज 61वां दिन है। मैंने उन्हें बताया था कि क्या करना है, लेकिन उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया। अब शायद उनके पास सेकंड चांस है।

शनिवार तड़के इजरायल के दो सबसे बड़े शहर तेल अवीव और येरुशलम में हवाई हमले के सायरन बजने लगे। दोनों शहरों को लोगों को सायरन बजते ही सुरक्षित स्थान पर भागना पड़ा। इजरायली सेना ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियां ईरानी मिसाइलों को रोकने के लिए काम कर रही हैं। इजरायली सेना के अनुसार, ईरान की ओर से दर्जनों मिसाइलें दागी गईं, जिनमें से कुछ को रोक दिया गया। ईरान के इन हमलों में इजरायल में क्या नुकसान हुआ है और हताहतों की संख्या क्या है, इस पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है। इजरायली मीडिया के अनुसार, तेल अवीव में एक संदिग्ध मिसाइल गिरी। रॉयटर्स ने बताया कि एक प्रत्यक्षदर्शी ने येरूसलम में एक जोरदार धमाका सुना। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरानियों से कहा है कि इजरायली हमलों के बाद अभी और हमले होने वाले हैं।

ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष तेज हो गया है। इजरायल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' के तहत ईरान पर हमला किया, छह वैज्ञानिक और कई शीर्ष मिलिट्री कमांडर को मार गिराया। हमलों में अब तक 78 लोग मारे गए और 350 से ज्यादा घायल हुए। इजरायल ने हमले में ईरान के मुख्य परमाणु संयंत्र के ऊपरी हिस्से को नष्ट किया कर दिया है।

इजरायल के हमले में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के प्रमुख हुसैन सलामी, ईरानी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद बाघेरी, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के करीबी अली शामखानी और आईआरजीसी की एयरफोर्स के कमांडर आमिर अली हाजीजादेह जैसे बड़े अधिकारी मारे गए। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि यह ऑपरेशन तब तक जारी रहेगा जब तक इजरायल की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो जाती। अभी और तबाही मचनी बाकी है। बिल्कुल बख्शा नहीं जाएगा. हमारा मकसद इजरायल के अस्तित्व के समक्ष बने ईरान के खतरे को खत्म करना है।

ईरान ने इस हमले का कड़ा जवाब देते हुए पलटवार किया और इस कार्रवाई को 'ट्रू प्रॉमिस थ्री' नाम दिया। ईरान ने दावा किया है कि उसने इजरायल पर 100 से ज्यादा मिसाइलें दागी हैं. इस हमले में कई नागरिक घायल हो गए हैं।

इस गंभीर स्थिति के बीच, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की और वर्तमान हालात की जानकारी दी। वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को धमकी दी है कि वह अगर परमाणु समझौता करें नहीं तो और बड़ा हमला किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में 30 जून तक....

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में संचालित स्कूलों में आठवीं तक के छात्रों के लिए 30 जून 2026 तक विद्यालय बंद रहेंगे। 1 जुलाई से प्रदेश के सभी विद्यालय नियमित रूप से खुलेंगे।

रोडरेज में दबंगों....

आगे व पीछे लगाकर उन्हें रुकवा लिया। युवकों ने उनकी कार का शीशा तोड़ दिया और पवन कुमार को जबरदस्ती बाहर निकाल लिया। इसके बाद युवकों ने लोहे की रोड लाठी डंडों से उन्हें तथा गाड़ी में बैठे परिजनों को पीटना शुरू कर दिया। मारपीट में पवन कुमार को गंभीर चोटें आई और वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर गए। इसके बाद युवकों ने उनकी गाड़ी में जमकर तोड़फोड़ की। मारपीट व तोड़फोड़ करने के बाद आरोपी पुलिस में रिपोर्ट करने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

इस दौरान मौके पर इकट्ठा हुए लोगों ने आरोपियों की मारपीट करते हुए वीडियो बना ली। पीड़ित भरत सिंह के मुताबिक मौके पर मौजूद लोगों ने हमलावरों के नाम सहदेव नकुल पुत्र जयविंद्र, निखिल भड़ाना व अंकित बताए। पुलिस का कहना है की पीड़ित शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उनकी गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

अवैध निर्माण व अतिक्रमण ....

इस मामले में जिला अधिकारी तथा एसडीओ ने भी जमीन को अवैध मानते हुए कार्रवाई की संस्तुति की थी। यहीं नहीं आरोपियों जिस जमीन पर अवैध निर्माण कर अंग्रेजी शराब का ठेका भी खोल दिया। सूत्रों का कहना है कि नोएडा प्राधिकरण के शीर्ष अफसरों के संज्ञान में यह मामला है तथा शीघ्र ही इस पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। लोगों का आरोप है कि खसरा नं. 892 में नोटिस चस्पा होने के एक माह बाद भी ध्वस्तीकरण की कार्यवाही न होना कई सवाल खड़े कर रहा है।

चर्चित निठारी गांव में ....

कि मानसिक परेशानी अथवा आर्थिक तंगी की वजह से ही उसने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। मृतक के परिजनों को हादसे की जानकारी दे दी गई है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है

जैतपुर से लापता....

पता चला कि थाना सूरजपुर क्षेत्र के जैतपुर वैशपुर गांव से चार दिन पूर्व एक किशोर लापता हुआ था। पुलिस ने किशोर के परिजनों को बुलवाया। परिजनों ने शव की पहचान सन्नी रावल पुत्र हरिओम के रूप में की। परिजनों के मुताबिक उन्होंने थाना सूरजपुर में उसके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सन्नी रावल का शव मिलने पर उसके परिजनों में कोहराम मच गया है। परिजन किशोर की हत्या करने की भी आशंका जाता रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच पड़ताल की जा रही है।

पुलिस ने बोड़ाकी के दो तथा जैतपुर के एक नाबालिग लड़के को हिरासत में लिया है। जानकारी मिली है कि 10 जून को सभी लड़के खंदेडा गंगनहर पर नहाने गए थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ।

गाजियाबाद में शव को नोंच रहे थे कुत्ते

गाजियाबाद (चेतना मंच)। ट्रान्स हिन्डन क्षेत्र के टीला मोड़

थाना इन्द्रप्रस्थ आवासीय कॉलोनी में सड़क किनारे लावारिस शव मिला है। मृतक के शव को कुत्ते नोच नोचकर खा रहे थे। इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई है। जानकारी के मुताबिक शव कई दिनों पुराना है जिसमे से बदबू आ रही है।

शव को पुराने प्लास्टिक के बोरों में बँधा हुआ है। पुलिस आशंका जता रही है कि हत्या कहीं और कर शव को यहाँ डंप किया गया हैं।

थाना प्रभारी करतार सिंह ने बताया कि मृतक की उम्र लगभग 35 वर्ष के आसपास हैं। शव पर कोई चोट के निशान नही हैं। सम्भवत हत्या कहीं और कर शव को यहाँ फेंका गया हैं। वही पुलिस टीमें जांच में जुट गई हैं आसपास लगे सीसीटीवी की जांच की जा रही हैं। हत्या का जल्द खुलासा किया जाएगा।

ट्रांसफार्मर से तेल चुराया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-2 क्षेत्र के कावेरी बिल्डिंग के पास लगे विद्युत ट्रांसफार्मर से चोरों ने तेल चोरी कर लिया। ट्रांसफार्मर से तेल चोरी होने की वजह से क्षेत्र की विद्युत सप्लाई भी बाधित हुई और विभाग को आर्थिक क्षति भी।

सेक्टर-88 स्थित विद्युत उपकेंद्र के अवर अभियंता जितेंद्र विश्वाल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 7 जून को सूचना मिली कि ग्राम इलाहाबाद में विद्युत सप्लाई बाधित है। इसके बाद लाइनमैन प्रवीण कुमार एवं नेपाल द्वारा उक्त लाइन की पेट्रोलिंग की गई। पेट्रोलिंग के दौरान पता चला कि कावेरी बिल्डिंग के पास लगे विद्युत ट्रांसफार्मर से अज्ञात व्यक्तियों ने तेल चोरी कर लिया है।

जांच के दौरान पता चला कि चोरों ने विद्युत ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त कर दिया जिस कारण विद्युत सप्लाई भी बाधित हुई है। अवर अभियंता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल कर रही है।

15 दिनों में प्रोसेसिंग यूनिट लगाएं वर्ना जुर्माना

नोएडा प्राधिकरण के जन स्वास्थ्य विभाग ने दी लोगों को चेतावनी

नोएडा (चेतना मंच)। स्वच्छ सर्वेक्षण में पूरे देश में प्रथम स्थान लाने के लिए शुक्रवार को नोएडा प्राधिकरण ने होटल, रेस्टोरेंट और मार्केट एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। यह कार्यक्रम सेक्टर-91 के पंचशील बालक इंटर कॉलेज में किया गया।

एसपी सिंह, महाप्रबन्धक (जन स्वास्थ्य) ने बताया कि सभी बल्क वेस्ट जनरेटर्स को गीले कचरे के निवारण के लिए अपने परिसर में कम्पोस्ट प्रोसेसिंग यूनिट लगाना अनिवार्य है।

आगामी 15 दिनों में अपने परिसर में कम्पोस्ट प्रोसेसिंग यूनिट नहीं लगाया जाता है तो उस बल्क वेस्ट जनरेटर के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी, साथ ही आगामी 15 दिनों के बाद कचरा लेनी वाली प्राधिकरण द्वारा अनुबन्धित एजेंसी मैसर्स एजी एनवायरो कूड़ा नहीं लेगी।

सेक्टर–37 में कारगिल चौक का हुआ उद्घाटन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा शहर के सौंदर्यीकरण कार्यक्रम के तहत मुख्य कार्यपालक अधिकारी के निर्देशानुसार सेक्टर-37 स्थित कारगिल चौक पर कारगिल युद्ध के शहीदों की स्मृति में एक भव्य स्मारक और फव्वारे का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। जिसका फीता काटकर शुभारंभ किया गया।

उद्घाटन समारोह में कारगिल युद्ध के वीर सपूत शहीद कैप्टन विजयंत थापर के पिता वी.एन. थापर, उनकी धर्म पत्नी, नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक (जल) आरपी सिंह, एवीआरडब्ल्यूए के अध्यक्ष कर्नल आई.पी. सिंह, महासचिव श्रीमती कविता जामिल सहित कई पूर्व सैन्य अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

यह स्मारक कारगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों की अमरगाथा का प्रतीक है। यह न केवल शहीदों के बलिदान को सम्मान देता है, बल्कि नई पीढ़ी को उनके अदम्य साहस और देशभक्ति की भावना से प्रेरित करने का भी कार्य करेगा। उद्घाटन समारोह में उपस्थित लोगों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और इस स्मारक को नोएडा शहर के लिए एक गौरवपूर्ण कदम बताया।

वी.एन. थापर ने इस अवसर पर भावुक होते हुए कहा कि यह स्मारक मेरे बेटे विजयंत और अन्य शहीदों के बलिदान को हमेशा जीवंत रखेगा। यह नई पीढ़ी को याद दिलाएगा कि आज की आजादी उनके बलिदान का परिणाम है। कर्नल आई.पी. सिंह ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह चौक नोएडा के लिए एक ऐतिहासिक स्थल बन जाएगा।

नोएडा प्राधिकरण ने 40 हजार वर्गमीटर जमीन अवैध कब्जे से मुक्त कराई

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-150 के पास यमुना के डूब क्षेत्र में अभियान चलाकर अवैध निर्माण को ध्वस्त कराया। इस दौरान करीब 40 हजार वर्गमीटर जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया। यहां पांच पक्के निर्माण को ध्वस्त किया गया साथ ही अवैध प्लाटिंग के लिए की गई

दीवार को हटाया गया। इस जमीन की कीमत करीब 6 करोड़ रुपए के आसपास आंकी जा रही है। इस जमीन पर अवैध रूप से प्लाटिंग कर लोगों को बेची जा रही थी।

प्राधिकरण ने बताया कि सर्किल-10, भूलेख और पुलिस बल के साथ मौके पर टीम पहुंची और ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई। इस अभियान में 70 छोटे बडे कर्मचारी पांच जेसीबी और 2 डंपरो का प्रयोग किया गया। जिनकी मदद से अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया। प्राधिकरण ने कहा कि लोग इन भूमाफियाओं को चंगुल में न फंसे। बता दे ये जमीन प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन है। जिस पर निगरानी का काम नोएडा प्राधिकरण का है।

एनईए ने विमान हादसे के दिवंगतों को दी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे से आहत एनईए परिवार ने शोक सभा का आयोजन किया जिसमे सभी मृत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई । इस अवसर पर नोएडा एंटरप्रिनियोर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन मल्हन ने कहा कि अहमदाबाद में हुआ विमान हादसा सिर्फ एक समाचार नहीं है यह दुख का पहाड़ है जो ना जाने कितने घरों पर टूट पड़ा है।

हम उन सभी परिवारों के साथ हैं जो आज अपनों को खो बैठे हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि जो इस हादसे में दिवंगत हुए उनकी आत्मा को शांति दे और जो इस समय पीड़ा में हैं उन्हें धैर्य, साहस और सहारा दें। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश कोहली, उपाध्यक्ष सुधीर श्रीवास्तव, राहुल नैय्यर, राजन खुराना, कमल इलेक्ट्रा, आलोक गुप्ता, अजय अग्रवाल, इंद्रपाल खांडपुर, पीयूष मंगला, नीरू शर्मा, एस के जैन, सुधीर गोयल सहित काफ़ी संख्या में उद्यमी उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर शारदा विश्वविद्यालय से करार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के क्षेत्र में संयुक्त प्रयासों को मजबूती देने हेतु शारदा विश्वविद्यालय और केयरिंग एसोसिएशन इंडिया के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ विवेक गुप्ता और केयरिंग एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष शिवांश श्रीवास्तव द्वारा हस्ताक्षरित किया गया। समझौते के अंतर्गत दोनों संस्थाएँ मिलकर पर्यावरणीय जागरूकता अभियान, शोध एवं नवाचार, हरियाली कार्यक्रम, छात्रों के लिए अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय से इको-प्रोजेक्ट्स, और सामुदायिक सहभागिता जैसे विविध पहलुओं पर कार्य करेंगी।

इस अवसर पर केयरिंग एसोसिएशन के संयोजक रजत त्यागी, पंकज त्रिपाठी, एग्जीक्यूटिव सदस्य ऋचा सिंह, आकाश अवाना व शारदा विश्वविद्यालय के प्रो वाइस चान्सेलर प्रो परमानन्द, डीन डॉ आरसी सिंह, निदेशक डॉ ऋतू कपूर, अंजलि पाटिल, वरिष्ठ अधिकारी, फैकल्टी सदस्य एवं केयरिंग एसोसिएशन इंडिया की टीम उपस्थित रही।

शहीद नायक चमन सिंह की याद में हुआ हवन

नोएडा (चेतना मंच)। कारगिल के योद्धा शहीद चमन सिंह की 26वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सेक्टर 54 स्थित पेट्रोल पंप पर हवन, पूजन एवं भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर परिजनों एवं शुभचिंतकों ने शहीद के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी है। शहीद चमन सिंह की पत्नी शकुंतला देवी ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके पति कारगिल युद्ध में शहीद हो गए थे। 26 वर्ष पहले उन्हें इस पीड़ा का सामना करना पड़ा। सरकार एवं शुभचिंतकों के सहयोग से इस कठिन परिस्थितियों का उन्होंने मुकाबला किया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व आतंकवाद विरोधी मोर्चा के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रभारी राजेंद्र पंडित ने किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों को शहीदों के परिजनों का भरपूर सहयोग करना चाहिए। सेना के जवान देश की आन, बान और शान है। उन्होंने कहा सेना का कोई जवान शहीद होता है तो उसकी परेशानी पूरे परिवार को भुगतनी पड़ती है।

श्रद्धांजलि सभा में चमन सिंह के पुत्र कपिल सिंह, गौरव सिंह, पुत्रवधू डॉक्टर प्रकृति, प्रोफेसर शिप्रा सिंह के दोनों समधी, समधिन एवं उनका पूरा परिवार गाजियाबाद से आकर शामिल हुए। इसके अलावा इंडियन ऑयल के अधिकारी, थाना सेक्टर-24 की पुलिस के तमाम अधिकारी एवं क्षेत्र के तमाम लोग मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं ने विमान हादसे पर जताया शोक

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर ने गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर शोक व्यक्त किया है। एसोसिएशन के सदस्यों ने शोक सभा में 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की।

बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट मनोज भाटी बोडाकी, एडवोकेट उमेश भाटी देवटा की अगुवाई में अधिवक्ता चौक पर शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में उपस्थित सभी अधिवक्ताओं ने इस दुखद हादसे पर शोक जताया और विमान हादसे में मारे गए लोगों की आत्माओं की शांति एवं परिजनों को दुख से उबरने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

शोकसभा में पूर्व सचिव एडवोकेट देवेंद्र, राहुल चौधरी, एडवोकेट ऋषि टाइगर, एडवोकेट नीरज सिंह, ठाकुर संग्राम सिंह राणा, अलबेल भाटी, मोहित भाटी, राज सिंह भाटी, विनीत यादव, दीपक नागर काका, सत्येंद्र नागर, शोभाराम चंदेल, विपिन, सुमित भड़ाना, शिवकुमार बैसला, अनुज नागर, राव अशोक भाटी, हरि, कुलदीप नागर, आदित्य भाटी, तुषार चौधरी, सुनील नागर, अमित भाटी, उधम सिंह, दीपक भाटी, कपिल मकोड़ा, सचिन कसाना, राहुल भाटी, नीरज लोहिया, संजीव भाटी, वरुण नागर, पवन कसाना, दीपक भाटी, अंकित भाटी, सुशील सुनपुरा, अजय तालान, अनुराग भाटी, दिनेश नगला, नरेंद्र बैसोया, जितेंद्र बैसोया, देवेंद्र लोहिया, योगेश नागर, कपिल कसाना, सचिन नागर, नीरज नागर, राजेश भाटी, पुष्पेंद्र नागर, सुधीर, मनीष भाटी, वीरेंद्र, रवी भडाना, सरफराज, असलम, मनीष भाटी, नकुल भाटी, मयंक भाटी, दिनेश टाइगर, राहुल कश्यप, प्रिंस भाटी, महक भाटी, सुनील भाटी, योगेंद्र भाटी, रविंद्र चपराना, विनोद तंवर तथा एडवोकेट दीपक लोहिया सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

लाखों जिंदगियाँ बचाने के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है रक्तदान : डॉ. रश्मि गुप्ता

नोएडा (चेतना मंच)। फेलिक्स अस्पताल की प्रबंध निदेशक डॉ. रश्मि गुप्ता ने कहा कि रक्तदान एक ऐसा कार्य है, जिससे एक यूनिट रक्त से तीन लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। रक्तदान मानवता की सच्ची सेवा है। इसलिए 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम नियमित रूप से रक्तदान करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

डॉ. रश्मि गुप्ता

उन्होंने बताया कि रक्तदान न केवल किसी की जान बचाने का माध्यम है। बल्कि यह मानवता की सेवा का सबसे सरल, सुरक्षित और असरदार तरीका भी है। रक्तदान कई तरह के रोगियों के लिए जीवनदायिनी होता है। थैलेसीमिया, कैंसर, सर्जरी, दुर्घटना, प्रसव और एनीमिया के रोगियों को नियमित या आपातकालीन रक्त की जरूरत होती है। बावजूद भारत में प्रतिवर्ष 15 मिलियन (1.5 करोड़) रक्त यूनिट्स की आवश्यकता होती है, लेकिन उपलब्धता केवल लगभग 11 मिलियन यूनिट्स है, जिससे लगभग 4 मिलियन यूनिट्स की वार्षिक कमी बनी हुई है।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com

विमान दुर्घटना के पीड़ितों के दावों का होगा त्वरित निपटान : एलआईसी

एलआईसी ने की एअर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के लिए राहत की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने 12 जून को अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना में अपनी जान गंवाने वाले लोगों के प्रभावित परिवारों की सहायता करने और दावों का त्वरित निपटान करने के लिए कई विशेष उपायों की घोषणा की है। कंपनी ने प्रक्रिया आसान बनाने के लिए कई मानदंडों में ढील दी है। कंपनी के मुताबिक पॉलिसीधारक की मृत्यु की पुष्टि करने वाले किसी भी सरकारी रिकॉर्ड यानी केंद्र, राज्य सरकार या एयरलाइन कंपनी से मिले मुआवजे के दस्तावेज को मृत्यु के वैध प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जायेगा। इसके लिए वे 022-68276827 पर और एलआईसी हेल्पलाइन नंबर पर भी कॉल कर सकते हैं। बीमा कंपनी ने कहा कि दावेदार सहायता के लिए अपनी निकटतम एलआईसी शाखा, डिवीजन कार्यालय या ग्राहक क्षेत्र से संपर्क कर सकते हैं। एलआईसी ने कहा कि वह विमान में सवार यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के साथ-साथ जमीन पर मौजूद नागरिकों की जान जाने से बहुत दुखी है। कंपनी पीड़ितों के परिवारों को वित्तीय राहत प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी ने यह भी आश्वासन दिया है कि प्रभावित परिवारों तक सक्रिय रूप से पहुंचने और निपटान प्रक्रिया में तेजी लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। बीमा कंपनी ने कहा कि अधिक जानकारी के लिए कार्यकारी निदेशक (सीसी), भारतीय जीवन बीमा निगम, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई। ईमेल आईडीः edcc@licindia.com हमें www.licindia.in पर देखें और कृपया संपर्क करें।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना के राहत कार्यों में हर संभव मदद करेगी रिलायंस : अंबानी

नई दिल्ली। देश के दिग्गज उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को एयर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के लिए राहत कार्यों में पूर्ण सहयोग की पेशकश की। आरआईएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने एक्स पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि वह और उनकी पत्नी नीता अहमदाबाद में विमान हादसे में हुई जानमाल की हानि से अत्यंत दुखी एवं व्यथित हैं। हम इस दुखद घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। मुकेश अंबानी ने आगे लिखा है, दुख की इस घड़ी में, रिलायंस चल रहे राहत प्रयासों को अपना पूर्ण और अटूट समर्थन देता है तथा हर संभव तरीके से सहायता करने के लिए तैयार है। हम प्रार्थना करते हैं कि प्रभावित सभी लोगों को इस अकल्पनीय क्षति से उबरने की शक्ति और सांत्वना मिले। ओम शांति। उल्लेखनीय है कि गुजरात के अहमदाबाद से लंदन जाने वाला एयर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान गुरुवार को अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई थी। एक यात्री जिंदा बचा है। एयर इंडिया के अनुसार इस विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश नागरिक, सात पुर्तगाली नागरिक और एक कनाडाई नागरिक सवार थे, उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान में आग लग गई।

प्रौद्योगिकी-आधारित मत्स्यपालन प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का उद्घाटन

मत्स्यपालन व जलीय कृषि के भविष्य के लिए महाराष्ट्र से शुरूआत करें : नीतेश राणे

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के मत्स्य और बंदरगाह विकास मंत्री नीतेश राणे ने बताया कि मत्स्यपालन और जलीय कृषि क्षेत्र का भविष्य बनाने के लिए महाराष्ट्र से शुरूआत करनी चाहिए। उन्होंने कहा, हमारे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन में, हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं - तटीय सुरक्षा के लिए ड्रोन तैनात करने से लेकर मत्स्यपालन विकास परियोजनाओं को गति देने तक, हम एआई नवाचार और तीव्र विकास का समर्थन करने वाला एक पारिस्थितिकी तंत्र बना रहे हैं। वह मुंबई के गोरेगांव में आयोजित दो दिवसीय प्रौद्योगिकी-आधारित मत्स्यपालन प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी (आईएफटी) के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। इस कार्यक्रम का उद्घाटन महाराष्ट्र के मत्स्य और बंदरगाह विकास मंत्री नीतेश नारायण राणे ने किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मत्स्यपालन आयुक्त किशोर तावडे, साथ ही महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और गोवा के राज्य मत्स्यपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मंत्री राणे ने कहा, मैं अंतर्राष्ट्रीय मत्स्यपालन प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी के आयोजकों का दिल से आभार व्यक्त करता हूं और उन्हें बधाई देता हूं कि उन्होंने प्रौद्योगिकी, नीति और क्षमता इन तीनों को एक छत के नीचे लाने वाला वास्तव में एक विश्व स्तरीय मंच बनाया है। यह योजना सही समय पर शुरू हुई है। महाराष्ट्र मत्स्यपालन में पहले पांच राज्यों में आने के लिए कटिबद्ध है और इस प्रकार की प्रदर्शनियां इस यात्रा को गति देने के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं प्रौद्योगिकी प्रदाताओं, निवेशकों और उद्योग क्षेत्र के नेताओं को आमंत्रित करता हूं कि वे हमारे साथ भारत के मत्स्यपालन और जलीय कृषि क्षेत्र का भविष्य बनाने के लिए महाराष्ट्र से शुरूआत करें।

▶ महाराष्ट्र मत्स्यपालन में पहले पांच राज्यों में आने के लिए कटिबद्ध है

सोना और चांदी के भाव 1 लाख के पार

▶ सोने के भाव 1,00200 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 1,06,600 रुपए के करीब

एजेंसी

नई दिल्ली। सोने वायदा भाव अब एक लाख रुपये के पार कर गया है। साथ ही इसके वायदा भाव शुक्रवार को सार्वजनिक उच्च स्तर पर पहुंच गए। चांदी की कीमतों में भी शुक्रवार को तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के भाव तेजी के साथ खुले। इस समय घरेलू बाजार में सोने के भाव 1,00200 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,06,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना चांदी तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट आज 1,108 रुपये की तेजी के साथ 99,500 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 98,392 रुपये था। इस समय यह 1,833 रुपये की तेजी के साथ 1,00225 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 565 रुपये की तेजी के साथ 1,06,450 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,05,885 रुपये था।

इजराइल व ईरान के बीच तनाव बढ़ने से शेयर बाजार में गिरावट

एजेंसी

मुंबई। इजराइल और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार ने गिरावट के साथ शुरूआत की। शुरूआती कारोबार में ऑटो, आईटी, फाइनेंशियल सर्विस और पीएसयू बैंक सेक्टर में बिकवाली देखी गई। सुबह सेंसेक्स 896.5 अंक की गिरावट के साथ 80,795.44 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 278.5 अंक की गिरावट के साथ 24,609.70 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी बैंक 633.80 अंक की गिरावट के साथ 55,448.75 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 603.90 अंक की गिरावट के बाद 57,836.95 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 192.75 अंक की गिरावट के बाद 18,272.30 पर कारोबार कर रहा था। वहीं हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन सेंसेक्स और निफ्टी में करीब 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई । 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 823 अंक गिरकर 81,691.98 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 991.98 अंक गिरकर 81,523.16 अंक पर आ गया था।

टाटा को पछाड़कर हुंडई फिर तीसरे स्थान पर

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स को बहुत ही मामूली अंतर से पीछे छोड़ते हुए हुंडई मोटर इंडिया ने एक बार फिर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। हुंडई की घरेलू बिक्री टाटा से केवल 2,304 यूनिट अधिक रही, लेकिन इस मामूली फासले ने बाजार की रैंकिंग बदल दी। वहीं, महिंद्रा ने 52,431 यूनिट्स की घरेलू बिक्री के साथ 21.3 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज करते हुए दूसरी सबसे बड़ी पैसेंजर वाहन निमार्ता कंपनी का तमगा हासिल किया। महिंद्रा की यह उपलब्धि इसके मजबूत एसयूवी पोर्टफोलियो का नतीजा है, जिसमें एक्सयूवी 700 और स्कारपियो-एन जैसी गाड़ियां शामिल हैं। वहीं, मारुति सुजुकी ने 1,35,962 यूनिट्स के साथ शीर्ष स्थान कायम रखा, हालांकि इसमें 5.6प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। छोटे कारों की डिमांड में आई कमी ने उसकी कुल बिक्री को प्रभावित किया। टाटा मोटर्स की मई में घरेलू बिक्री 41,557 यूनिट्स रही, जो पिछले साल के मुकाबले 11प्रतिशत कम है। हालांकि इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में कंपनी ने 2प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,685 यूनिट्स की बिक्री की। वहीं, टोयोटा ने 29,280 यूनिट्स के साथ 22.2प्रतिशत की ग्रोथ हासिल की, जिसमें 10,168 यूनिट्स मारुति से रीबैज किए गए मॉडल्स थे। किआ ने 22,375 यूनिट्स की बिक्री कर 14.4प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। स्कोडा ने 133.7 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 6,740 यूनिट्स बेचे। दूसरी ओर, निसान, रेनो, सिट्रोएन और जीप जैसे ब्रांड्स की बिक्री में भारी गिरावट देखने को मिली।

टीवीएस नया इलेक्ट्रिक स्कूटर उतारने की तैयारी में

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर जल्द ही एक नया इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है। यह नया स्कूटर कंपनी के लोकप्रिय मॉडल जुपिटर का इलेक्ट्रिक वर्जन हो सकता है, जिसे जुपिटर ईवी नाम दिया जा सकता है। वर्तमान में टीवीएस के पास आईक्यूब जैसे सफल इलेक्ट्रिक स्कूटर उपलब्ध हैं, जिनके कई ट्रिम्स को ग्राहकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। यही वजह है कि कंपनी अब अपनी ईवी रेंज को और मजबूत करने पर जोर दे रही है। कंपनी पहले से ही प्रीमियम सेगमेंट के लिए टीवीएस एक्स नामक इलेक्ट्रिक स्कूटर पेश कर चुकी है, जिसकी कीमत करीब 2.50 लाख रुपये है। हालांकि इसकी ऊंची कीमत और सीमित उपलब्धता के चलते इसकी बिक्री अपेक्षा के अनुरूप नहीं हो पाई है। ऐसे में टीवीएस एक ऐसे स्कूटर की तलाश में है जो आम ग्राहकों की जरूरतों को पूरा कर सके और बजट फ्रेंडली हो। जुपिटर ब्रांड का इलेक्ट्रिक वर्जन इस मामले में कंपनी के लिए एक अहम कदम हो सकता है, क्योंकि यह एक भरोसेमंद नाम है और ग्राहकों के बीच पहले से ही लोकप्रिय है। अगर यह स्कूटर लॉन्च होता है, तो इसकी टक्कर बजाज चेतक और ओला एस1एक्स जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटरों से होगी।

रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट की सोनाक्षी की जात प्रदर्शनी में जीवंत हुई महिलाओं की अनकही दास्तानें

एजेंसी

रांची। भारतीय मूल की लंदन निवासी कलाकार सोनाक्षी चतुर्वेदी ने राजधानी के ब्रिटिश काउंसिल गैलरी में अपनी अनोखी मूर्तिकला प्रदर्शनी जात का शुभारंभ किया। 11 जून से 31 जुलाई तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में सोनाक्षी ने धातु, पारंपरिक पारिवारिक वस्तुएं और रंगों के जरिए महिलाओं की दबी कहानियों और अनसुनी इच्छाओं को बखूबी उकेरा है। 2024 में रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट, लंदन से ज्वैलरी और मेटल में स्नातकोत्तर कर चुकी सोनाक्षी ने अपनी कला में पीतल, सफेद धातु, कोल्ड इनैमल और रेज़िन-बेस्ड इनैमल का खूबसूरत प्रयोग किया है। उनकी कलाकृतियां बाहर से पारंपरिक जिम्मेदारियों का बोझ तो दिखाती हैं, लेकिन भीतर रंग-बिरंगे ख्वाबों और इच्छाओं की झलक भी देती हैं। सोनाक्षी ने बताया कि जात की शुरूआत अपनी दादी और मां की यादों से हुई थी। वह चाहती हैं कि महिलाएं सिर्फ रिश्तों के नाम से नहीं, बल्कि अपनी पहचान और ख्वाहिशों के साथ भी याद की जाएं। यह प्रदर्शनी ब्रिटिश काउंसिल की बेस्ट ऑफ ब्रिटिश सीरीज और स्टडी यूकेः क्रिएटिव कनेक्शन्स क्कका हिस्सा है, जिसमें यूके के पूर्व छात्रों के वैश्विक कला संवाद को बढ़ावा दिया जाता है। प्रदर्शनी में प्रवेश निःशुल्क है और गैलरी सुबह 10 से शाम 6 बजे तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी। सोनाक्षी की यह कला भारतीय हस्तकला और आधुनिक दृष्टि का सुंदर संगम है।

पाकिस्तान की रेको दिक परियोजना के लिए 70 करोड़ डॉलर के ऋण मंजूर

इस्लामाबाद। अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) और विश्व बैंक ने पाकिस्तान की प्रमुख खनन एवं संसाधन विकास योजना के लिए 70 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रियायती ऋण को मंजूरी दी है। रेको दिक परियोजना को बलूचिस्तान प्रांत में अंजाम दिया जाएगा जिसे देश के खनिज समृद्ध क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। एक खबर के अनुसार ऋणदाताओं द्वारा यह मंजूरी पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण जीत मानी जा रही है। इस मंजूरी के परिणामस्वरूप निजी क्षेत्र से पाकिस्तान को अपनी सबसे महत्वपूर्ण पहल में से एक रेको दिक परियोजना में 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश मिलने की उम्मीद है।

नए हाई-एंड टैबलेट पेड 7एस प्रो को लांच करेगी शाओमी

एजेंसी

नई दिल्ली। चाइनीज कंपनी शाओमी अपने नए हाई-एंड टैबलेट पेड 7एस प्रो को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। जानकारी के अनुसार, यह टैबलेट कंपनी के इन-हाउस विकसित एक्सरिंग O1 चिपसेट पर काम करेगा। यह वही प्रोसेसर है, जो पहले शाओमी पेड 7 अल्ट्रा और शाओमी 15एस प्रो में देखा गया है। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, इस महीने शाओमी चार नए टैबलेट लॉन्च कर सकता है, जिनमें से एक बड़े डिस्प्ले और इसी चिपसेट के साथ आएगा, जिससे संकेत मिलता है कि यह शाओमी पेड 7एस प्रो हो सकता है। पेड 7एस प्रो में 12.5 इंच का एलसीडी डिस्प्ले दिया जाएगा। यह पेड 7एस अल्ट्रा से नीचे और पेड 7 प्रो से ऊपर की श्रेणी में होगा। डिवाइस को हाल ही में ब्लूटूथ एसआईजी पर लिस्ट किया गया है, जिससे इसके डिस्प्ले साइज और सॉफ्ट लाइट वर्जन की जानकारी मिली है। इसके साथ ही यह टैबलेट चीन की 3सी सर्टिफिकेशन वेबसाइट पर 120डब्ल्यू फास्ट चार्जर के साथ भी नजर आया है, जो इसकी चार्जिंग कैपेसिटी को दशार्ता है। शाओमी का यह नया टैबलेट स्नैपड्रेगन 8 जेन 2 के बजाय एक्सरिंग O1 चिपसेट का इस्तेमाल करेगा, जिससे टैबलेट को बेहतर थर्मल मैनेजमेंट और मजबूत सीपीयू परफॉर्मेंस मिलेगा। बड़े आकार के कारण इसमें स्मार्टफोन के मुकाबले गर्मी और नेटवर्क संबंधी समस्याएं कम होंगी।

ईवी ने शेल इंडिया के साथ मिलाया हाथ

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और हरित ऊर्जा क्षेत्रों के युवाओं के कौशल विकास के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। इस साझेदारी के तहत देश के चुनिंदा आईटीआई और एनएसटीआई में छात्रों को हरित कौशल और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन कौशल प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि एमएसडीई के तहत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) ने एक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया है, जो युवाओं को इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और हरित ऊर्जा क्षेत्रों के लिए कौशल प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम शेल के कार्यान्वयन साझेदार एडुनेट फाउंडेशन द्वारा 5 राज्यों में क्रियान्वित किया जाएगा। इसके जरिए हजारों छात्रों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और नवीकरणीय ऊर्जा में उद्योग-तैयार कौशल प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर केंद्रीय एमएसडीई और शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कहा कि शेल इंडिया के साथ हमारा सहयोग कौशल को स्थिरता के साथ जोड़ने की सरकार की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और व्यापक जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरणीय अनिवार्यताएं नहीं हैं। वे भारत के लिए नवाचार, प्रतिभा और उद्यम के माध्यम से नेतृत्व करने के लिए एक पीढ़ीगत अवसर का प्रतिनिधित्व करते हैं। मंत्रालय के अनुसार ग्रीन स्किल्स और ईवी प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को हरित ऊर्जा और ई-मोबिलिटी में भविष्य के लिए तैयार क्षमताओं से लैस करना है। यह पहल ऐसे समय में की गई है जब सरकार अपनी नेट-जीरो महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हरित ऊर्जा और ईवी अपनाने को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रही है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के प्रशिक्षण महानिदेशालय की महानिदेशक त्रिशालजीत सेठी ने कहा कि शेल इंडिया के साथ यह साझेदारी हमारे आईटीआई और एनएसटीआई में अत्याधुनिक प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे और उद्योग-प्रासंगिक पाठ्यक्रम लाने की दिशा में एक केंद्रित पहल है।

▶ हजारों छात्रों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और नवीकरणीय ऊर्जा में उद्योग-तैयार कौशल प्रदान किए जाएंगे

▶ शेल इंडिया के साथ हमारा सहयोग कौशल को स्थिरता के साथ जोड़ने की सरकार की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और इजराइल के ईरान पर हमले का असर घरेलू शेयर बाजार पर देखने को मिला है। हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान पर बंद हुए हैं। सेंसेक्स 573.38 अंक यानी 0.70 फीसदी टूटकर 81,118.60 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 169.60 अंक यानी 0.68 फीसदी फिसलकर 24,718.60 के स्तर पर बंद हुआ है। कारोबार के अंत में सेंसेक्स के 30 शेयरों में 4 शेयर में तेजी और 26 शेयरों में गिरावट रही है। बैंकिंग, ऑयल एंड गैस, ऑटो और आईटी के शेयर ज्यादा गिरे। एयर इंडिया के विमान क्रैश होने के बाद एयरलाइन कंपनियों के शेयर भी आज टूटे हैं। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का शेयर 4 फीसदी गिरा है, जबकि स्पाइसजेट का शेयर 1.61 फीसदी टूटा है। एयर इंडिया का संचालन करने वाले टाटा समूह के सभी शेयर नीचे हैं। इसके अलावा अडाणी पोर्ट्स, आईटीसी, इंडसइंड बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और एचडीएफसी बैंक में 1 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर टेक महिंद्रा, टीसीएस, सन फार्मा और मारुति सुजुकी के शेयर ही लाभ में रहे। इस बीच बाजार में उतार-चढ़ाव को मापने वाला भय सूचकांक (इंडिया वीआईएक्स) 7.6 प्रतिशत बढ़कर 15.08 अंक पर बंद हुआ।

खास खबर

1 अगस्त से यूपीआई से जुड़े नियम बदलेंगे

मुंबई। 1 अगस्त से यूपीआई से जुड़े नियम बदलने वाले हैं। ये बदलाव आमजन को प्रभावित करेंगे। खबरों के अनुसार, 1 अगस्त से आप केवल 50 बार ही अपने बैंक बैलेंस को यूपीआई एप से चेक कर सकेंगे। एक बड़ा बदलाव ये भी होने वाला है कि मोबाइल नंबर से जो बैंक अकाउंट लिंक है उसकी डिटेल 25 बार से अधिक नहीं देखी जा सकेगी। वहीं ऑटो पेमेंट को लेकर एक और बदलाव किया जाएगा। वहीं एसआईपी या नेटफ्लिक्स के सब्सक्रिप्शन पेमेंट को केवल नॉन पीक ऑवर्स में आप कर पाएंगे। इसे आपके पास सुबह 10 बजे से पहले करने का मौका होगा। वहीं दोपहर में 1 से 5 के बीच और रात के 9:30 बजे के बाद आपके पास इसका सब्सक्रिप्शन पेमेंट करने का मौका होगा।

हिमाचल सरकार करेगी आलू के लिए एमएसपी का ऐलान

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि किसानों की आर्थिकी मजबूत करने के लिए आलू का समर्थन मूल्य जल्द ही घोषित करेगी। दरअसल मुख्यमंत्री सुक्खू हाल ही में हिमाचल प्रदेश पुनरोद्धार वर्षा आधारित कृषि नेटवर्क द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय बहु-हितधारक परामर्श सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे थे। अपने उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हरित ऊर्जा और प्राकृतिक खेती को जोरदार तरीके से बढ़ावा दे रही है। प्राकृतिक खेती से उत्पादित फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया गया है और आने वाले वर्ष में इसमें और वृद्धि की जाएगी। प्राकृतिक खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए आने वाले वर्ष में कई नई योजनाएं लागू की जाएंगी।

टाटा मोटर्स प्लांट में 3 दिन वाहनों का नहीं होगा उत्पादन

मुंबई। टाटा मोटर्स जमशेदपुर प्रबंधन ने 13 और 14 जून को 2 दिन का ब्लॉक क्लोजर लिया है, जिससे टाटा मोटर्स प्लांट में लगातार 3 दिन वाहनों का उत्पादन ठप रहगा, जिसका सीधा असर आदित्यपुर इंडस्ट्रियल एरिया में टाटा मोटर्स पर आश्रित कंपनियों पर पड़ेगा। आदित्यपुर इंडस्ट्रियल एरिया में 90 प्रतिशत कंपनियां सीधे टाटा मोटर्स पर आश्रित हैं। ब्लॉक क्लोजर से प्रभावित श्रमिकों को ब्लॉक क्लोजर से पहले और बाद में ब्लॉक क्लोजर की अवधि के लिए कोई छुट्टी स्वीकृत नहीं की जाएगी।

बैंक ग्राहकों को केवायसी अपडेट के लिए भेजेगी नोटिस

मुंबई। आरबीआई ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्देश जारी किए हैं कि वे ग्राहकों को समय-समय पर केवायसी अपडेट करने के लिए नोटिस भेजें। यह कदम ग्राहकों को बेहतर सुविधा देने और केवायसी प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। बैंक और वित्तीय संस्थाएं अब केवायसी की समय अवधि से पहले कम से कम तीन अग्रिम सूचनाएं भेजेंगी। इनमें से एक सूचना अनिवार्य रूप से पत्र के माध्यम से होगी। यदि ग्राहक समय पर केवायसी अपडेट नहीं करते हैं, तो बैंक तीन अनुस्मरण नोटिस भी भेजेंगे— जिनमें से एक पत्र द्वारा होगा। इस नियम का प्रभाव उन खातों पर अधिक पड़ेगा जो : जनधन योजना स्कीम जैसे कार्यक्रमों के तहत खोले गए हैं और केवायी अपडेट लंबित है। बैंक इन सभी नोटिस और अनुस्मरण पत्रों का रिकॉर्ड रखेंगे, ताकि जरूरत पड़ने पर ऑडिटिंग में इनका इस्तेमाल हो सके।

रुपया 56 पैसे टूटकर 86 .08 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में 56 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.08 पर आ गया। इजराइल के ईरान के परमाणु स्थलों पर हमले के बाद पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक तेल कीमतों में तेजी और डॉलर के मजबूत होने का असर घरेलू मुद्रा पर दिखा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों की कमजोर शुरूआत और विदेशी पूंजी की भारी निकासी से भी स्थानीय मुद्रा में गिरावट आई।

खास खबर

वैभव की क्षमताओं पर योगराज ने उठाये सवाल

चंडीगढ़ । आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद जहां 14 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रातों-रात स्टार बनकर उभरे हैं और कई दिग्गज उन्हें अगला सचिन तेंदुलकर बता रहे हैं। वहीं पूर्व क्रिकेटर और कोच योगराज सिंह इससे सहमत नजर नहीं आते। वैभव ने राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलने हुए केवल 35 गेंद में ही शतक लगा दिया था। वहीं योगराज सिंह ने कहा, मैं टी20 नहीं टेस्ट क्रिकेट को ही असली खेल मानता हूं। साथ ही सवाल किया कि क्या वैभव पांच दिन तक खेल पायें। साथ ही कहा कि एकदिवसीय के 50 और टी20 के 20 ओवर खेलना दूसरी बात है। मैं इन प्रारुपों पर नहीं जाता। साथ ही कहा कि आपको इतना तो फिट होना ही चाहिए कि सभी तीनों प्रारुप खेल सकें। आप संघर्ष क्यों करते हैं? इसलिए कि आप सिर्फ टी-20, आईपीएल और 50 ओवर पर ध्यान दे रहे हैं। टेस्ट में वैभव 50 ओवर्स भी नहीं खेल सकते।

न्यूजीलैंड के फिन ने पूरन का तोड़ा रिकार्ड

सैन फ्रांसिस्को । न्यूजीलैंड के फिन एलन ने मेजर क्रिकेट लीग 2025 के पहले ही मैच में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की ओर से खेलते हुए अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से धूम मचा दी। एलन ने इस मैच में वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 34 गेंदों में ही शतक लगा दिया। यह इस टूनार्मेंट के इतिहास का दसरा सबसे तेज शतक है। एलन की इस आक्रामक पारी से यूनिकॉर्न्स ने 20 ओवर में 269 रन बनाये। एलन ने 51 गेंदों पर 5 चौके और 19 छक्कों की सहायता से सबसे अधिक 151 रन बनाए। इस प्रकार एलन के नाम एक पारी में सबसे अधिक 19 छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और इसटोनिया के साहिल चौहान के नाम था जिन्होंने एक पारी में 18-18 छक्के लगाये लगायये थे। एलन अब मेजबर लीग में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। उन्होंने इस पारी के साथ ही इसी सप्ताह संन्यास लेने वाले वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज निकोलस पूरन को पीछे छोड़ दिया।

काउंटी क्रिकेट में हैंपशर की ओर से खेलेंगे तिलक

हैदराबाद । आईपीएल में मुम्बई इंडियंस की ओर से शानदार प्रदर्शन के बाद अब बल्लेबाज तिलक वर्मा इंग्लिश काउंटी में खेलते नजर आयेंगे। हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) ने कहा कि बाएं हाथ का ये बल्लेबाज काउंटी टीम हैंपशर की ओर से खेलेगा। वह हैदराबाद की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। एचसीए ने कहा, ह्यह्यहैदराबाद क्रिकेट संघ को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि तिलक को शामिल करने के लिए हैंपशर काउंटी टीम ने हमसे संपर्क किया है। साथ ही कहा कि हैदराबाद क्रिकेट संघ उन्हें हैंपशर काउंटी के साथ शानदार जुड़ने के लिए अपनी शुभकामनाएं देता है। गौरतलब है कि तिलक ने 18 प्रथम श्रेणी मैच में 50.16 की औसत से 1,204 रन बनाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 121 रन रहा है। उन्होंने पांच शतक और चार अर्द्धशतक बनाये हैं। तिलक ने भारतीय टीम की ओर से 25 टी20 और चार एकदिवसीय मैचों में तकरीबन 749 और 68 रन बनाए हैं।

यूरोप दौरे पर भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की लगातार तीसरी जीत

▸ बेल्जियम को 3-2 से हराया

एजेंसी

एंटवर्प। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे पर शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को बेल्जियम को 3-2 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। यह मुकाबला एंटवर्प स्थित हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज्कसे प्लेन में खेला गया। भारत के लिए सोनम (4), ललथनतलुआंगी (32) और कनिका सिवाच (51) ने गोल किए, जबकि बेल्जियम की ओर

से मैरी गोएन्स (37) और मार्टे मैरी (40) ने गोल किए। मैच की शुरूआत से ही भारत ने आक्रामक तेवर दिखाए। चौथे मिनट में सोनम ने शानदार फील्ड गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले हाफ में भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखी। तीसरे क्वार्टर की शुरूआत में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे ललथनतलुआंगी ने 32वें मिनट में गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद बेल्जियम ने जोरदार वापसी की। 37वें मिनट में मैरी गोएन्स ने पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए पहला गोल किया और फिर 40वें मिनट में मार्टे मैरी ने फील्ड गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।चौथे क्वार्टर में जब खेल खत्म होने में केवल 9 मिनट बाकी थे, तब कनिका सिवाच ने एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए भारत को 3-2 की निर्णायक बढ़त दिलाई और टीम की जीत सुनिश्चित की।

निशानेबाज सिफत ने आईएसएसएफ विश्व कप में जीता कांस्य

एजेंसी

म्यूनिख । भारतीय महिला निशानेबाज सिफत कौर सामरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएसएसएफ विश्व कप तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही कांस्या पदक जीता है। सिफत ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच फाइनल में 453.1 अंक के साथ ही कांस्य पदक अपने नाम किया । वहीं नॉर्वे की जीनेट हेग इ्यूस्टेड ने 466.9 अंक हासिल करने के साथ ही स्वर्ण पदक जबकि स्विट्जरलैंड की एमिली जैगी ने 464.8 अंकों के साथ ही रजत पदक जीता। वहीं सिफत ने क्वालीफिकेशन में नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग के तीन चरण में कुल 592 अंक हासिल करके दूसरा स्थान हासिल किया था। इससे पहले ब्यूनस आयर्स में हुए विश्व कप में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता

था जिससे उनके इस सत्र की शुरूआत अच्छी रही थी। वहीं फ्रांस की अगाथे सेसिल कैमिली गिरार्ड ने भी क्वालीफिकेशन में 592 अंक हासिल किए पर 10 अंक के अंदरूनी हिस्से (एक्स) में अधिक निशाने के कारण वह नंबर एक रही रहीं थीं। स्विट्जरलैंड की ऑड्रे गोगनियाट क्वालीफिकेश में तीसरे स्थान पर रहीं। अन्य भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो आशी चौकसे क्वालीफिकेशन में 589 अंक के साथ ही 11वें स्थान पर रहीं जबकि अंजुम मौदगिल को 586 अंक के साथ ही 27वां स्थान मिला।

ऑस्ट्रेलिया की बढ़त अब 218 रनों तक पहुंची

एजेंसी

लॉड्र्स । दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच लॉड्र्स के मैदान पर जारी आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल 2025 में शुरूआती दो दिन गेंदबाज हावी रहे और दोनो ही टीमें अपनी पहली पारी में इसी कारण 250 रनों तक भी नहीं पहुंच पायीं। इस मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी दूसरी पारी में 8 विकेट के नुकसान पर 144 रन बना लिए थे। टीम की ओर से विकेकीपर बल्लेबाज ऐलेक्स कैरी ने 43 रन बनाये जबकि एक समय टीम ने अपनी दूसरी पारी में 73 रनों पर ही 7 विकेट खो दिये थे।

पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया की बढ़त अब 218 रनों की हो गयी है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए दूसरी पारी में अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। इंग्लैंड में अब तक केवल नौ टेस्ट हुए हैं, जिसमें चौथे पारी में बल्लेबाजी करने वाली टीम ने सबसे बड़ा स्कोर बनाया है। इसमें से टीम तीन मैच ही जीतने में सफल रही हैं। ही हाल ही में ऐसा हेडिंग्ले 2019 में हुआ था। लॉड्र्स के मैदान पर 200 से अधिक का लक्ष्य इतिहास में केवल चार बार ही हासिल किया जा सका है। साल 2005 के बाद केवल एक बार ही ऐसा हुआ है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका की राह बेहद कठिन नजर आती है। इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने स्टीव स्मिथ और ब्यू वेबस्टर के अर्धशतकों की सहायता से 212 रन बनाये थे। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से कगिसो रबाडा ने पांच विकेट लिए थे। इसके बाद 212 रनों के जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम अपनी पहली पारी 138 रन ही बना पायी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान पैट कमिंस ने 5 विकेट लिए। पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 74 रनों की बढ़त मिली थी।

सहायक कोच के तौर पर लकी साबित हो रहे अभिषेक

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व बल्लेबाज अभिषेक नायर फर्स्ट क्लास क्रिकेट में काफी रन बनाने के बाद भी भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाये पर सहायक कोच के तौर पर वह तक सफल रहे है। कोचिंग स्टाफ के तौर पर वह जिस टीम से भी जुड़ते हैं वह विजेता बन जाती है। ये इसलिए माना जा रहा है कि वह पिछ्ले कुछ सालों में तीन बड़ी टीमों के साथ जुड़े और तीनों ही अलग-अलग प्रतियोगिता में विजेता बनी है। सहायक कोच के तौर पर

अभिषेक को सबसे बड़ी पहचान आईपीएल टीम केकेआर के साथ मिली थी। साल 2024 में उनके मार्गदर्शन में केकेआर की टीम विजेता बनी थी। केकेआर में मिली इस सफलता के बाद उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली। कोच गौतम गंभीर के साथ अभिषेक भारतीय टीम में सहायक कोच की भूमिका में थे। अभिषेक नायर के रहते हुए भारतीय टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती। इसके बाद अब अभिषेक टी20 मुंबई 2025 लीग के लिए मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स से जुड़े और इस टीम ने भी जीत हासिल कर ली। मुंबई साउथ सेंट्रल टीम ने फाइनल मुकाबले में सोबो मुंबई फाल्कन को हराकर खिताबी जीत हासिल की जिसके बाद अभिषेक को लकी माना जा रहा है।

गंभीर इंग्लैंड दौरा बीच में छोड़कर स्वदेश लौटे

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पारिवारिक कारणों से अचानक ही इंग्लैंड दौर बीच में छोड़कर स्वदेश लौट आये हैं। गंभीर भारतीय टीम के साथ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड में थे पर परिवार में मेडिकल इमरजैंसी के कारण उन्हें लौटना पड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार गंभीर की मां की तबियत खराब है अभी ये पता नहीं चला है कि वह कब टीम से वापस जुड़ेंगे। गंभीर की अनुपस्थिति में बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक, गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, सहायक कोच रेयान टेन डोशेट और फील्डिंग कोच टी दिलीप भारतीय टीम की तैयारियों पर नजर रखेंगे। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट 20 जून से खेलना है। इंग्लैंड

में भारतीय टीम युवा कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में उतरेगी। इस बार टीम में अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली के नहीं होने से युवा खिलाड़ियों को अवसर मिलेगा। शुभमन 25 साल और 258 दिन की उम्र में टेस्ट में भारत की कप्तानी करने वाले पांचवें सबसे कम उम्र के क्रिकेटर भी इस सीरीज में उतरते ही बन जाएंगे। भारतीय टीम को एजबेस्टन, लंदन के लॉड्र्स, मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड और लंदन के द ओवल में भी मैच खेलने हैं।

इंग्लैंड दौरे से बाहर हुई महिला क्रिकेटर सुचि उपाध्याय

बेंगलुरु । भारतीय महिला क्रिकेट टीम को अभी इंग्लैंड दौरे पर जाना है। इसी के लिए बेंगलुरु स्थिति सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अभ्यास चल रहा था जहां एक क्रिकेटर सुचि उपाध्याय चोटिल होने के कारण दौरे से बाहर हो गयी हैं। ऐसे में बीसीसीआई ने उनकी जगह पर राधा यादव को विकल्प के तौर पर शामिल किया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों की टी20 और 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। पहला टी20 मैच 28 जून को खेला जाएगा। वहीं सीरीज का अंतिम मैच 12 जुलाई को होगा। इसके बाद 16 जुलाई से एकदिवसीय सीरीजशुरू होगी जिसका अंतिम मैच 22 जुलाई को होगा। भारत और श्रीलंका में होने वाले महिला एकदिवसीय विश्वकप से पहले इंग्लैंड के खिलाफ ये सीरीज काफी अहम रहेगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम यूरोप में अहम मुकाबलों के लिए तैयार

▸ आज और कल ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेंगी भारतीय पुरुष और महिला टीमें

एजेंसी

लंदन। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 (महिला) के दूसरे और अंतिम चरण के मुकाबलों के लिए तैयार है। यूरोपीय चरण में भारतीय टीम का सामना ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम और चीन से होगा। फिलहाल 9 अंकों के साथ छठे स्थान पर काबिज भारतीय टीम 14 और 15 जून को लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी। इसके बाद टीम 17 और 18 जून को अर्जेंटीना से भिड़ेगी। आगामी

मुकाबलों को लेकर टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, ‟हमारा लक्ष्य है कि हम इस चरण में अपने से ऊपर रैंकिंग वाली टीमों को हराएं। हमने अपनी तैयारियों के तहत हर मैच की रिकॉर्डिंग की है और प्रदर्शन की समीक्षा की है, ताकि कमियों को सुधारने के साथ-साथ अपनी ताकत को पहचान सकें और उसे बरकरार रख सकें। लंदन के मैचों के बाद भारतीय महिला टीम 21 और 22 जून को एंटवर्प में बेल्जियम से भिड़ेगी। इसके बाद टीम का आखिरी मुकाबला 28 और 29 जून को बर्लिन में चीन के खिलाफ होगा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम भी 14 और 15 जून को एंटवर्प में ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला करेगी। टीम वर्तमान में 15 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है और शीर्ष तीन में बने रहने के लिए उसे इन मुकाबलों में जीत हासिल करनी होगी। भारतीय पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत हमारे लिए बेहद जरूरी है। इससे हमें न केवल जरूरी अंक मिलेंगे, बल्कि टीम को जीत की लय भी मिलेगी। पिछली चार भिड़ंतों में हम बेहद करीबी मुकाबलों में हारे हैं, लेकिन अब हम इस क्रम को तोड़ना चाहते हैं और जीत की राह पर लौटना चाहते हैं। एफआईएच प्रो लीग के इन अहम मुकाबलों में दोनों भारतीय टीमें जीत की उम्मीद के साथ मैदान में उतरेंगी।

लगातार दूसरा फाइनल हारने के बाद टूट गए श्रेयस अय्यर

एजेंसी

नई दिल्ली। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की टीम सोबो मुंबई फाल्कन्स टी20 मुंबई लीग 2025 में खिताब के करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी। इससे अय्यर बेहद निराश नजर आये। अभी कुछ दिन पहले ही उनकी टीम पंजाब किंग्स आईपीएल के फाइनल में हार गयी थी। इस प्रकार देखा जाये तो कुछ दिनों के अंदर ही ये उन्हें लगा दूसरा झटका है। अय्यर ने मैच के बाद कहा कि इससे वह थकान का अनुभव कर रहे हैं क्योंकि जब आप हारते हैं, तो यह आपके दिमाग में बहुत कुछ चलता है। इसके अलावा उन्होंने टीम की हार के लिए किसी को भी जिम्मेदार

नहीं माना है। अय्यर ने मैच के बाद कहा, ह्व 10 दिनों के अंदर अगर टीम दूसरा फाइनल हारती है तो दुख होता ही है। उन्होंने कहा कि मैच के लिए आई भीड़ देखकर उन्हें खुशी हुई है। साथ ही कहा कि पूरा स्टेडियम रोमांच से भरा हुआ था। उन्होंने प्रशंसकों का भी आभार जताया। उन्होंने अपनी टीम का बचाव करते हुए कहा कि सभी ने अपने प्रयासों में कमी नहीं रखी। साथ ही कहा कि हम फाइनल तक पहुंचने के दौरान केवल एक मैच हारे।। इसलिए किसी एक को दोषी नहीं माना जा सकता। इससे हमने काफी कुछ सीखा है। उन्होंने साथ ही कहा, फाइनल हारने के बाद निराश होना आम बात है। अंत में हारने से दुख तो होता है। साथ ही कहा कि जब वे अगले साल वापस आएंगे, तो उनके पास ये प्रेरणा और आत्मविश्वास होगा। उन्हें अपने प्रयासों पर गर्व होना चाहिए.ह्व फाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए सोबो मुंबई फाल्कन्स ने 20 ओवर में 157 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिलना 158 रनों का लक्ष्य साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स ने पांच विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया।

हॉकी टीम गठन के लिए खिलाड़ियों का चयन ट्रायल

एजेंसी

रांची । 15 जून से 19 जून तक जमेशदापुर टाटा में आयोजित हॉकी झारखंड राज्य स्तरीय सब जूनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप 2025 ,में हॉकी सिमडेगा टीम के भागीदारी हेतु सिमडेगा जिला के गठन के लिए हॉकी खिलाड़ियों का चयन ट्रायल आज एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम सिमडेगा में आयोजित हुई। इस चयन ट्रायल में सिमडेगा के विभिन्न प्रखंड के 56 पुरुष हॉकी खिलाड़ी सामिल हुए। जिनका ट्रायल के उपरांत 18 खिलाड़ी चयन किए गए है,जिन्हें कल टाटा खेलने के लिए भेजा जाएगा। ट्रायल में मुख्य रूप से पंखरासियुस टोप्पो, तारिणी कुमारी, वेद प्रकाश,कमलेश मांझी, रोहित बेसरा सहित हॉकी सिमडेगा के अध्यक्ष मनोज कोनबेगी उपस्थित थे।

सचिन की तरह छोटी उम्र में ही बड़े रिकार्ड बना रहे वैभव

एजेंसी

मुम्बई। 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी जिस प्रकार का प्रदर्शन आईपीएल में किया है उससे सभी हैरान है। इस टूनार्मेंट में वैभव ने विश्व के शीर्ष तेज गेंदबाजों को भी जमकर पीटा। ऐसे में अब उनकी तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से होने लगी है। सचिन ने जो काम 16 से 17 साल में किया था वैभव उसे 14-15 साल में ही कर लेना चाहते हैं। भारतीय क्रिकेट में सचिन को भगवान का दर्जा हासिल है। ऐसे में वैभव से उनकी तुलना करना और भी अहम हो जाता है। उनका रणजी ट्रॉफी डेब्यू, घरेलू क्रिकेट में शतक पर नजर डालें तो वैभव भी सचिन की तरह लगते हैं। तेंदुलकर ने 1988 में केवल 15 साल की उम्र में मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी में डेब्यू

किया था। यह वो दौर था जब सचिन ने अपनी बल्लेबाजी से सभी को हैरान कर दिया था। उन्होंने अपने पहले रणजी मैच में शतक बनाकर भविष्य में नये रिकार्ड बनाने के संकेत दे दिये थे। वहीं वैभव ने 2024 में 13 साल और 269 दिन की उम्र में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया। इससे वे इस टूनार्मेंट में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने हालांकि डेब्यू मैच में वह सचिन की तरह रन नहीं बना पाये पर उनका मनोबल देखकर सभी हैरत में पड़ गये। सचिन रणजी मैच में शतक जड़कर अपनी क्षमता साबित कर चुके थे। 1988 में हैरिस शील्ड टूनार्मेंट में विनोद कांबली के साथ उनकी 664 रन की ऐतिहासिक साझेदारी ने भी उनका नाम सभी जानने लगे थे। दूसरी ओर वैभव अपने रणजी डेब्यू में भले ही कमाल नहीं कर पाए लेकिन आईपीएल 2025 में अपने 35 गेंदों पर लगाये शतक से वह रातो-रात हीरो बन गये। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में 100 रन बनाकर टी20 क्रिकेट इतिहास में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया। वैभव ने ये रन मोहम्मद सिराज से और राशिद खान जैसे खिलाड़ियों के खिलाफ बनाये थे। सचिन ने साल 1988 तक भारत में अपना नाम बना चुके थे। साल 1989 में पाकिस्तान दौरे पर वसीम अकरम, वकार यूनुस, इमरान खान और अब्दुल कादिर का भी उन्होंने अच्छे से सामना किया पर दुनिया ने टेस्ट क्रिकेट में उनका सिक्का तब जमा जब उन्होंने 17 साल की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में 119 रन (नाबाद) बनाए। यह उनका पहला टेस्ट शतक था। इस पारी ने भारत को हार से बचाया और सचिन को विश्व क्रिकेट में एक उभरते सितारे के रूप में स्थापित किया। वहीं वैभव इसी महीने अंडर-19 टीम के साथ इंग्लैंड जाने वाले हैं। वे इस टूर के लिए एनसीए में तैयारी कर रहे हैं। इस तैयारी के दौरान उन्होंने जिस प्रकार के आक्रामक शतक लगाये उससे इंग्लैंड के गेंदाज सकते में हैं वैभव ने 90 गेंद में 190 रन बना दिये। 14 साल के वैभव को लेकर कोई कुछ कहना जल्दबाजी होगी पर यह तय है कि अगर वे इंग्लैंड की स्विंग और सीम गेंदबाजी का सामना कर बड़े स्कोर बनाते हैं तो उनको लिए भारतीय टीम मे जगह मिलेगी। भारतीय टीम को अगले साल टी20 वर्ल्ड कप खेलना है। ऐसे में चयनकर्ता उन्हें अवसर दे सकते हैं। इससे वह सचिन का सबसे कम उम्र में डेब्यू का भारतीय रिकॉर्ड भी तोड़ सकते हैं।

पेनसिलवेनिया में यूएस ओपन गोल्फ में भाग लेते हुए रॉरी मैकलरॉय।

निकिता लूथर ने द ट्रेटर्स के साथ अपनी यात्रा को अवास्तविक बताया

पेशेवर पोकर खिलाड़ी निकिता लूथर को करण जौहर के रियलिटी शो द ट्रेटर्स में एक प्रतियोगी के रूप में शामिल किया गया है। निकिता ने खास बातचीत में शो में अपने अनुभव को अवास्तविक बताया। शो के लिए अपनी रणनीति शेयर करते हुए निकिता ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, मैं कभी सोच भी नहीं सकती थी कि मुझे ऐसा मंच दिया जाएगा। शोबिज की दुनिया में, जहां हर कोई ड्रामा लेकर आता है, मैंने यह दिखाने के लिए रणनीति का इस्तेमाल किया कि मैं एक अलग तरह की प्रतियोगी हूं। यह एक अवास्तविक यात्रा रही है, और मैं इस अवसर के लिए वास्तव में आभारी हूं।

जब उनसे पूछा गया कि उन्हें कार्ड या प्रतियोगियों में से किसमें अधिक मजा आया, तो निकिता ने प्रतियोगियों को चुनते हुए कहा, कार्ड में, यह सरल है - आप धोखा देते हैं, और आप या तो जीतते हैं या हारते हैं। लेकिन यहां धोखा चिप्स से नहीं, बल्कि शब्दों से होता है। आपको लोगों की आंखों में देखना होता है, धोखा देना होता है, और फिर अगली सुबह उनके साथ नाश्ता करना होता है। इससे यह और भी ज्यादा गहरा हो जाता है। यह पूछे जाने पर कि क्या शो के दौरान उनका कोई दीर्घकालिक जुड़ाव बना, निकिता ने कहा, मैं कोई भी स्पॉइलर नहीं देना चाहती, लेकिन हां, शुरुआत में, बहुत से लोग मुझसे दूर रहते थे। कुछ लोग मुझे खतरनाक मानते थे क्योंकि मैं एक रणनीतिक, व्यावसायिक मानसिकता से आई थी। दूसरों को लगता था कि मैं इस श्रेणी में नहीं आती। मुझे लोगों के बीच फिट होने और लोगों को समझने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी। द ट्रेटर्स के स्क्रिप्टेड होने के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, ट्रेटर्स बिल्कुल भी स्क्रिप्टेड नहीं था। यह एक बहुत ही अनोखा अनुभव था। सबसे पहले, यह एक कैप्टिव रियलिटी शो था। हमारे पास दो सप्ताह तक कोई फोन नहीं था। हमें रात में बाहर जाने या अपने फोन चेक करने की अनुमति नहीं थी - हर चीज पर नजर रखी जाती थी। दूसरा, गाली-गलौज और लड़ाई-झगड़ों से भरे जहरीले रियलिटी शो के विपरीत, ट्रेटर्स ने बुद्धिमत्ता, रणनीति और सामाजिक संपर्क पर ध्यान केंद्रित किया। यह वास्तव में एक सोशल एक्सपेरिमेंट था। बता दें कि शो में निकिता का मुकाबला अंशुला कपूर, अपूर्व, राज कुंद्रा, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरोजी, हर्ष गुजराल, जन्नत जुबैर, जानवी गौर, जैस्मीन भसीन, करण कुंद्रा, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, पूरव झा, रफ्तार, साहिल सलाथिया, सुधांशु पांडे, सूफी मोतीवाला और उर्फी जावेद से होगा।

फिल्म स्पिरिट से बाहर होने के बाद दीपिका ने उठाया बड़ा कदम

फिल्म स्पिरिट से बाहर होने के बाद से दीपिका पादुकोण चर्चा में हैं। ऐसे में दीपिका पादुकोण ने अपने पिता का जन्मदिन बहुत खास तरह से मनाया है। दीपिका पादुकोण ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है। इसमें उन्होंने बताया है कि वह पूरे देश में लोगों के लिए हर साल 75 बैडमिंटन स्कूल खोलेंगी। दीपिका पादुकोण के मुताबिक वह अपने पिता के 70वें जन्मदिन पर पूरे देश में पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन खोलेंगी। ये सेंटर बंगलूरू, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, जयपुर, पुणे, नासिक, मैसूर, पानीपत, देहरादून, उदयपुर, कोयम्बटूर और सूरत में खोले जाएंगे। दीपिका ने सोशल मीडिया पर अपने पिता प्रकाश पादुकोण के साथ एक तस्वीर साझा की है। पोस्ट के कैप्शन में दीपिका ने लिखा है बैडमिंटन खेलते हुए बड़े होने के नाते, मैंने खुद अनुभव किया है कि यह खेल किसी की जिंदगी को किस तरह बदलता है। यह लोगों को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से बदलता है। पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन के जरिए हम सभी क्षेत्रों के लोगों तक बैडमिंटन का आनंद और अनुशासन पहुंचाने की उम्मीद करते हैं। हम एक ऐसी पीढ़ी का निर्माण करना चाहते हैं जो स्वस्थ और खेल से प्रेरित हो।

2027 तक 250 होगी सेंटर की तादाद

दीपिका पादुकोण ने पोस्ट के साथ जो प्रेस रिलीज शेयर की है उसके मुताबिक पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन हर साल 75 बैडमिंटन सेंटर खोलेगा। 2027 तक इनकी तादाद 250 तक होगी। इससे बैडमिंटन सभी के लिए आसान बन सकेगा। सेंटर ने पहले साल में ही 18 शहरों में 75 से ज्यादा कोचिंग सेंटर स्थापित किए हैं।

दीपिका के पिता भी देंगे साथ

आपको बता दें दीपिका पादुकोण के पिता बेहतरीन बैडमिंटन खिलाड़ी रहे हैं। वह पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन में एक सलाहकार के तौर पर शामिल हुए हैं। इस मौके पर उन्होंने कहा खेल बड़े होने का एक अभिन्न हिस्सा है। यह अनुशासन और जीतने की मानसिकता पैदा करता है। पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन के साथ, हमारा लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण कोचिंग को आसान और किफायती बनाना है। जमीनी स्तर से टैलेंट को उठाना और भारतीय बैडमिंटन के भविष्य के लिए एक मजबूत नींव रखना है।

हाउसफुल 5 की ओटीटी रिलीज पर आया अपडेट

सिनेमा के शौकीन यूं तो फिल्मों को बड़े पर्दे पर देखना ही पसंद करते हैं और थिएटर्स का रुख करते हैं। मगर, एक वर्ग ऐसा है जो फिल्मों की ओटीटी रिलीज के इंतजार में रहता है। ऐसे लोगों के लिए हाउसफुल 5 की ओटीटी रिलीज पर अपडेट आया है। लोकप्रिय फ्रेंचाइजी की यह पांचवी कड़ी फिलहाल सिनेमाघरों में लगी है।

इस ओटीटी के पास हैं अधिकार

तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी साजिद नाडियाडवाला की हाउसफुल 5 6 जून को रिलीज हुई। बॉक्स ऑफिस पर यह ठीकठाक प्रदर्शन कर रही है। अब इसकी ओटीटी रिलीज को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। तेलुगु 123 की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह फिल्म ओटीटी पर जल्दी आ सकती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि फिल्म के डिजिटल स्ट्रीमिंग के अधिकार अमेजन प्राइम वीडियो ने हासिल किए हैं।

जुलाई में हो सकती है रिलीज

इस फिल्म का ओटीटी प्रीमियर पहले इस साल अगस्त में होना था। लेकिन, अब कहा जा रहा है कि फिल्म की ओटीटी स्ट्रीमिंग जुलाई के पहले सप्ताह में ही शुरू हो सकती है। हाउसफुल 5 की डिजिटल रिलीज में यह अचानक बदलाव कथित तौर पर बॉक्स ऑफिस पर इसे मिल रही प्रतिक्रिया के बाद आया है।

क्यों लिया जल्दी ओटीटी रिलीज का फैसला?

दरअसल, फिल्म से उम्मीदें बहुत ज्यादा थीं। लेकिन यह फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर पूरी तरह खरी उतरती नजर नहीं आ रही है। ऐसे में निर्माताओं ने इसकी डिजिटल रिलीज कुछ जल्दी करने का फैसला लिया है। हालांकि, मेकर्स या प्राइम वीडियो की तरफ से ओटीटी रिलीज पर अभी आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं की गई है।

मैं अब वही करती हूं जो मेरे लिए सार्थक हो न कि परफेक्ट

अभिनेत्री पूजा बेदी ने समाज में परफेक्शन की चाहत रखने वालों पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि वह अब दिखावे की बजाय मन की शांति और सच्चाई को प्राथमिकता दे रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि प्रभावशाली दिखना जरूरी नहीं है। अभिनेत्री पूजा बेदी ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने परफेक्शन पर अपने विचार रखे। पूजा ने अपने पोस्ट में बताया कि वास्तव में परफेक्शन को लेकर क्या नजरिया है। उन्होंने बताया, समाज हमसे हर समय, हर जगह परफेक्ट होने की उम्मीद करता है। हम देखने में परफेक्ट हों, काम में परफेक्ट हों और कोई कमी न रहे। लेकिन, मैं अब यह समझ गई हूं कि इस दबाव से बाहर निकलना होगा। इसलिए जो महत्वपूर्ण है, उसी का चयन करें, न कि प्रभावशाली दिखने की दौड़ में शामिल हों। उन्होंने बताया, मुझे सुनहरे पेन से डायरी लिखने, सुबह तक चमकते चेहरे के लिए टॉनिक या किसी तरह के जूस देने की जरूरत नहीं है। मैं ऊर्जा को सुंदरता से, उद्देश्य को प्रदर्शन से ज्यादा महत्व देती हूं। यह नियंत्रण बनाम अराजकता नहीं, बल्कि सोच-समझकर चुने गए रास्ते की बात है। परफेक्शन एक बदलता लक्ष्य है, लेकिन प्राथमिकताएं एक दिशा-सूचक की तरह हैं। उन्होंने आगे लिखा, मैं अब वही करती हूं, जो मेरे लिए सार्थक हो, न कि परफेक्ट। प्राथमिकताएं शांति देती हैं। जबकि, परफेक्शन चमक के साथ तनाव देता है। कुछ दिन मैं चमकती हूं, कुछ दिन ठोकर खाती हूं, लेकिन हमेशा उस दिशा में चलती हूं, जो सही लगता है। यही मेरे लिए काफी है। पूजा बेदी अभिनेता कबीर बेदी की बेटी हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1991 में 'विषकन्या' से की थी। इसके बाद वह आमिर खान के साथ 'जो जीता वही सिकंदर' में नजर आईं, जो उनकी सबसे यादगार फिल्मों में से एक है। इसके अलावा 'लुटेरे' और 'आतंक ही आतंक' जैसी फिल्मों में भी उन्होंने काम किया है।

डिटेक्टिव शेरदिल में जासूस बन मर्डर की गुत्थी सुलझाने निकले दिलजीत

एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ की फिल्म डिटेक्टिव शेरदिल की रिलीज डेट का मेकर्स ने हाल ही में एलान किया। अब आज मंगलवार 10 जून को इसका ट्रेलर रिलीज किया गया है। फिल्म में दिलजीत एक जासूस की भूमिका में हैं, जो एक मर्डर केस की गुत्थी सुलझाते हैं। फिल्म में सस्पेंस का डोज है तो कॉमेडी के भी छींटे हैं।

अनोखे जासूस बने दिखे दिलजीत

रवि छाबड़िया के निर्देशन में बनी इस फिल्म को अली अब्बास जफर ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी। आज जारी इसका ट्रेलर काफी दिलचस्प है। दिलजीत एक अनोखे डिटेक्टिव के रूप में नजर आए हैं। वे फिल्म में बोमन ईरानी के किरदार के मर्डर की गुत्थी सुलझाते हैं। गंभीर किरदार को भी उन्होंने इस तरह अदा किया है कि दर्शकों को हंसने के भरपूर मौके मिलेंगे।

दर्शकों को पसंद आया ट्रेलर

ट्रेलर पर दर्शकों की दिलचस्प प्रतिक्रिया आई है। एक यूजर ने लिखा, कुछ अलग देखने को मिला। एक यूजर ने लिखा, दिलजीत दोसांझ रॉक। डिटेक्टिव शेरदिल, दिलजीत दोसांझ और अली अब्बास जफर की दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों जोगी फिल्म में साथ काम कर चुके हैं।

इस ओटीटी पर दस्तक देगी फिल्म

दिलजीत दोसांझ और बोमन ईरानी के अलावा फिल्म में डायना पेंटी, सुमित व्यास, बनिता संधू, चंकी पांडे और रत्ना पाठक शाह भी अहम रोल में हैं। दिलजीत से लेकर रत्ना और बोमन जैसे धुरंधर जिस फिल्म का हिस्सा हों, वहां दर्शकों को हंसने के मौके न मिलें, ऐसा भला कैसे हो सकता है। यह फिल्म 20 जून, 2025 को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर दस्तक देगी।

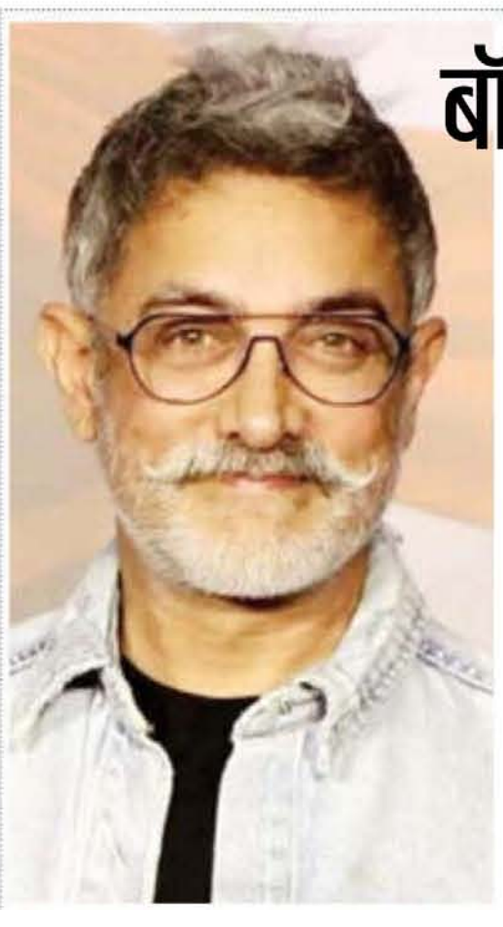

बॉलीवुड में इसलिए फिट नहीं होते इमरान आमिर खान ने कही बड़ी बात

मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से मशहूर बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान के भतीजे इमरान खान ने फिल्म इंडस्ट्री में बहुत उम्मीदों के साथ एंट्री की थी। हालांकि जल्दी ही वो फिल्म इंडस्ट्री से दूर हो गए। स्क्रीन के साथ हाल ही में बातचीत में, आमिर ने बताया कि इमरान खान का बॉलीवुड में फिट होना मुश्किल लगता है।

आमिर ने कहा बॉलीवुड में फिट नहीं इमरान

आमिर खान ने कहा इमरान खान में एक अलग काबिलियत है। उन्हें हमारे पास मौजूद ढांचे में फिट होना मुश्किल लगता है। यह उनकी जगह नहीं है। यही वजह है कि वह जाने तू... और देली बेली जैसी फिल्मों में अच्छा प्रदर्शन कर पाए। लेकिन जैसे ही आप उन्हें एक नियमित हिंदी फिल्म में काम करने के लिए कहते, वे फिट नहीं होते। वह हीरोगिरी के साथ सहज नहीं हैं। वह एक वास्तविक व्यक्ति की भूमिका निभाना चाहते हैं। हर कोई उन्हें मुख्यधारा की फिल्में ऑफर कर रहा था क्योंकि वह अच्छे दिखते हैं। लेकिन वह एक अभिनेता बनना चाहते हैं, स्टार नहीं।

इमरान ने पहली ही फिल्म से छोड़ी छाप

इमरान ने अपने करियर की शुरुआत एक चाइल्ड एक्टर के रूप में की थी। उन्होंने कयामत से कयामत तक और जो जीता वही सिकंदर जैसी फिल्मों में अपने चाचा के साथ काम किया। 2008 में बतौर लीड एक्टर उनकी पहली फिल्म जाने तू... या जाने ना थी। यह फिल्म एक युवा रोमांटिक कॉमेडी थी, जो दर्शकों को खूब पसंद आई थी। जेनेलिया डिसूजा के साथ बेहतरीन अदाकारी करने वाले इमरान को पहचान मिली। इस फिल्म में काम करने के लिए उन्हें फिल्मफेयर पुरस्कार मिला।

इमरान ने दी अच्छी फिल्में

डेब्यू के बाद, इमरान कई रोमांटिक कॉमेडी और हल्की-फुल्की फिल्मों में दिखाई दिए, जिनमें आई हेट लव स्टोरीज (2010), ब्रेक के बाद (2010), और मेरे ब्रदर की दुल्हन (2011) शामिल हैं। उन्होंने खुद को एक रोमांटिक एक्टर के तौर पर स्थापित किया। 2011 में, इमरान ने डार्क कॉमेडी देली बेली में काम किया। यह फिल्म कारोबार के लिहाज से काफी कामयाब रही। इसके बाद उन्होंने एक मैं और एक तू (2012) बनाई, जो एक रोमांटिक ड्रामा थी। फिल्म को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। हालांकि, 2012 के बाद, इमरान का करियर ढलान पर आ गया। मटरू की बिजली का मंडोला (2013) और गोरी तेरे प्यार में (2013) जैसी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन किया।

इमरान ने फिल्मों से बनाई दूरी

2010 के दशक के मध्य तक इमरान खान फिल्मों से दूर रहे। उन्हें कई फिल्में ऑफिर हुईं लेकिन उन्हें फिल्मों में किरदार अच्छा नहीं लगा। वह कभी-कभार साक्षात्कारों या सार्वजनिक कार्यक्रमों में दिखाई देते हैं। इमरान खान ने उस समय अपनी अच्छी छाप छोड़ी जब वह युवा रोमांटिक कॉमेडी करते थे।

Samudayik Vikas Samiti
1st Raja Mahotsav
Spectacular performances of eminent artists of Dance & Music
14 & 15TH June 2025
4 pm to 10 pm
FREE ENTRY
Miss Jyoti
Devesh Pati
Pratima Sharma
Aditya Swain
Papu Panda
Anindita Das
Ashrumochan Mohanty
Swaroop Bhalwankar
PAPU POM POM
ରଜ ମହୋଛବ 2025
ସମୁଦାୟିକ ବିକାଶ ସମିତି
ଦିଲ୍ଲୀ NCR
ନୋଇଡା RAM LEELA ମୈଦାନ
SECTOR 21 A
14&15 JUNE 2025
MEDIA PARTNER
GPN
NEWS 7
ପ୍ରମେୟ
www.svsamiti.com
info@svsamiti.com
Noida Stadium Ramlila maidan, Sector 21A, Noida, Uttar Pradesh 201301
Myastro
myastro.org.in
7683065231
FREE LIVE CHAT AND CALLS WITH EXPERT
KUNDALI MATCHING
HAND READING
FREE KUNDLI